मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्षः 7 अंक 245
मंगलवार, 25 मार्च 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshakti.co.in

देश की शिक्षा व्यवस्था को खत्म करने में लगा है आरएसएस, इसे हमें मिलकर रोकना होगा: राहुल गांधी

नई दिल्ली, 24 मार्च। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को आरोप लगाया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) देश के भविष्य और शिक्षा व्यवस्था को खत्म करने में लगा हुआ है। उन्होंने यहां जंतर-मंतर पर इंडिया गठबंधन के विभिन्न घटक दलों की छात्र इकाइयों के संयुक्त प्रदर्शन को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि आरएसएस और भारतीय जनता पार्टी को मिलकर रोकना एवं पराजित करना है।

विपक्षी पार्टियों की छात्र इकाइयों ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के मसौदा नियमों और पेपर लीक के मुद्दों को लेकर संसद मार्च का आह्वान किया था। राहुल गांधी ने दावा किया, एक संगठन हिंदुस्तान का भविष्य और शिक्षा व्यवस्था को खत्म करने में लगा है। उस संगठन का नाम आरएसएस है। यदि शिक्षा व्यवस्था उनके हाथ में चली जाएगी, जो धीरे धीरे जा रही है, तो देश बर्बाद हो जाएगा और इस देश में किसी को रोजगार नहीं मिलेगा। उनका कहना था, आज छात्रों को यह बताने की जरूरत है कि सभी केंद्रीय विश्वविद्यालयों के कुलपति आरएसएस द्वारा नामित हैं और आने वाले समय में राज्यों के सभी विश्वविद्यालयों के कुलपति भी आरएसएस द्वारा

नामित होंगे। यह देश के लिए खतरनाक हैं। इसे हमें रोकना है।

राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बेरोजगारी और महंगाई पर बात नहीं करना चाहते। उन्होंने कहा, देश में सबसे बड़ा मुद्दा बेरोजगारी है। कुछ दिन पहले प्रधानमंत्री ने महाकुंभ के बारे में लोकसभा में बात की। मैं यह बोलना चाहता था कि कुंभ के बारे में बात करना अच्छी बात है, लेकिन भविष्य के बारे में बात करनी चाहिए, बेरोजगारी के खिलाफ बात करनी चाहिए।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने दावा किया, प्रधानमंत्री बेरोजगारी, महंगाई और शिक्षा व्यवस्था के बारे में बात नहीं करते क्योंकि प्रधानमंत्री का मॉडल, भाजपा और आरएसएस का मॉडल है जिसके तहत अदाणी, अंबानी को सारा धन देना और आरएसएस को सारी संस्थाओं का नियंत्रण देना है। उन्होंने छात्र संगठनों से कहा, हमारी विचारधारा और नीतियों पर थोड़ा फर्क हो सकता है, लेकिन हम हिंदुस्तान की शिक्षा प्रणाली को लेकर कभी समझौता नहीं करेंगे। हम मिलकर कदम बढ़ाएंगे और आरएसएस-भाजपा को हराएंगे।

जयराम रमेश ने सदन को गुमराह करने के लिए किरेन रीजीजू के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का दिया नोटिस

नई दिल्ली, 24 मार्च। राज्यसभा में कांग्रेस के मुख्य सचेतक जयराम रमेश ने सोमवार को संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का नोटिस दिया, जिसमें कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार द्वारा दिए गए कथित बयानों को लेकर सदन को गुमराह करने का आरोप लगाया गया है। रमेश ने राज्यसभा के कामकाज संबंधी नियम 188 के तहत यह नोटिस दिया। कांग्रेस सदस्य ने सभापति जगदीप धनखड़ को दिए अपने नोटिस में कहा कि 24 मार्च को राज्यसभा की बैठक शुरू होने के तुरंत बाद रीजीजू ने शिवकुमार द्वारा कथित तौर पर दिए गए कुछ गलत बयानों का हवाला देकर सदन को गुमराह किया। नोटिस में कहा गया है, डी के शिवकुमार ने बताए गए बयानों को गलत और

अपमानजनक प्रकृति का बताते हुए उनका खंडन किया है। इसलिए, रीजीजू द्वारा की गई टिप्पणी गलत और भ्रामक है, जो विशेषाधिकार का उल्लंघन और सदन की अवमानना है।

रमेश ने नोटिस में कहा, यह स्थापित व्यवस्था है कि सदन में गलत और भ्रामक बयान देना विशेषाधिकार का उल्लंघन और सदन की अवमानना है। इसके मद्देनजर, मैं अनुरोध करता हूं कि इस मामले में रीजीजू के खिलाफ विशेषाधिकार कार्यवाही शुरू की जाए। इससे पहले, रीजीजू ने सदन में कहा कि एक वरिष्ठ कांग्रेस नेता, जो एक संवैधानिक पद पर हैं, ने कहा है कि उनकी पार्टी मुसलमानों को आरक्षण देने के लिए संविधान में बदलाव करेगी। हालांकि रीजीजू ने नेता का नाम नहीं बताया लेकिन वह परोक्ष रूप से शिवकुमार का जिक्र कर रहे थे। मंत्री ने कहा, हम इस तरह के बयान को हल्के में नहीं ले सकते। उन्होंने कहा कि यह टिप्पणी किसी साधारण नेता की नहीं बल्कि संवैधानिक पद पर बैठे एक व्यक्ति की है।

लगता है कि सत्तापक्ष ने सदन नहीं चलाने का मन बना लिया है : प्रियंका गांधी

नई दिल्ली, 24 मार्च। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने लोकसभा और राज्यसभा में गतिरोध को लेकर सोमवार को कहा कि लगता है कि सत्तापक्ष ने सदन नहीं चलाने का मन बना लिया है। कर्नाटक में मुस्लिम आरक्षण के मुद्दे को लेकर हंगामे के कारण सोमवार को दोनों सदनों की कार्यवाही बाधित हुई। प्रियंका गांधी ने संसद परिसर में संवाददाताओं के प्रश्नों का जवाब देते हुए कहा, ऐसा लगता है कि उन्होंने (सत्तापक्ष ने) मन बना लिया है कि सदन नहीं चले। अब कई दिन हो गए हैं और वे हंगामा खड़ा करने का कोई न कोई बहाना ढूंढ़ ही लेते हैं। कर्नाटक विधानसभा ने बीते शुक्रवार को विपक्षी दल भारतीय

जनता पार्टी (भाजपा) के कड़े विरोध के बीच सरकारी ठेकों में मुसलमानों के लिए चार प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने वाला विधेयक पारित किया। राज्य मंत्रिमंडल ने कर्नाटक सार्वजनिक खरीद में पारदर्शिता (केटीपीपी) अधिनियम में संशोधन को मंजूरी दी थी, जिसके तहत दो करोड़ रुपये तक के (सिविल) कार्यों और एक करोड़ रुपये तक के माल/सेवा खरीद अनुबंध में मुसलमानों को चार प्रतिशत का आरक्षण का प्रावधान किया गया है। इस मुद्दे पर और कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के एक बयान पर सोमवार को लोकसभा और राज्यसभा में गतिरोध की स्थिति बनी रही। इन मुद्दों पर हंगामे के चलते पहले लोकसभा की कार्यवाही सुबह शुरू होने के कुछ मिनट बाद ही दोपहर 12 बजे तक और फिर अपराह्न दो बजे तक के लिए स्थगित करनी पड़ी। वहीं, राज्यसभा में इस मुद्दे पर हंगामे के चलते बैठक शुरू होने के दस मिनट बाद ही दोपहर दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित लोगों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने का काम अंतिम दौर में : राष्ट्रपति

छत्तीसगढ़, 24 मार्च। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को कहा कि छत्तीसगढ़ में वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित लोगों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने का काम अंतिम और निर्णायक दौर में पहुंच गया है।

उन्होंने विश्वास जताया कि राज्य जल्द ही इस बुराई से मुक्ति पा लेगा। छत्तीसगढ़ विधानसभा के रजत जयंती वर्ष समारोह के दौरान सदन को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि छत्तीसगढ़ विधानसभा ने लोकतांत्रिक परंपराओं के उच्चतम मानदंड स्थापित किए हैं तथा बेहतरीन संसदीय आचरण का अनूठा उदाहरण पेश किया है।

उन्होंने इस बात की भी सराहना की कि राज्य विधानसभा में 19 महिला सदस्य हैं और

2023 के विधानसभा चुनाव में महिला मतदाताओं की संख्या पुरुषों से अधिक थी। राष्ट्रपति ने कहा कि सभी विधायकों को प्रयास करना चाहिए कि अगली विधानसभा में महिला सदस्यों की संख्या बढ़े।

मुर्मू ने कहा, वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित लोगों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने का काम अंतिम और निर्णायक दौर में पहुंच गया है। मुझे बताया गया है कि छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित क्षेत्र के लोग विकास के मार्गों पर आगे बढ़ना चाहते हैं।

उन्होंने कहा, मुझे विश्वास है कि छत्तीसगढ़ को उग्रवाद से पूर्णतः मुक्त करने के प्रयास में आप सब शीघ्र ही सफलता प्राप्त करेंगे और राज्य के इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय जोड़ेंगे। मुर्मू ने कहा, इस सदन में 19 महिला विधायक हैं। 2023 विधानसभा चुनाव में महिला मतदाताओं की संख्या पुरुषों से अधिक थी।

इस प्रकार, इस सदन को छत्तीसगढ़ की माताओं, बहनों और बेटियों का विशेष समर्थन प्राप्त हुआ है। मैं विधायक बहनों से अनुरोध करती हूं कि वे जीवन के हर क्षेत्र में काम करने वाली सभी बहनों को आगे बढ़ाने के लिए हमेशा तत्पर रहें।जब सभी महिलाएं राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में काम करने वाली अन्य महिलाओं को बढ़ावा देंगी, तो पुरुषों का भी ध्यान जाएगा तथा उनके विकास का मार्ग प्रशस्त होगा। चाहे वह शिक्षिका हो, अधिकारी हो, समाजसेवी हो या उद्यमी, वैज्ञानिक हो या कलाकार, मजदूर हो या किसान।उन्होंने कहा, हमारी बहनें अपने रोजमर्रा के घरेलू कामों को पूरा करते हुए कठिन संघर्ष करके बाहरी दुनिया में अपनी जगह बनाती हैं।

जब सभी बहनें एक-दूसरे को सशक्त बनाएंगी, तो हमारा समाज और भी मजबूत तथा संवेदनशील बनेगा।

मुर्मू ने कहा कि सदन में सभी विधायकों, खासकर महिला सदस्यों को अगली विधानसभा में महिला सदस्यों की संख्या बढ़ाने का प्रयास करना चाहिए। राष्ट्रपति ने इस बात पर खुशी जताई कि छत्तीसगढ़ विधानसभा के 25 साल के इतिहास में सदन में कभी मार्शल का इस्तेमाल नहीं किया गया।

कर्नाटक में मुस्लिमों को आरक्षण पर राज्यसभा में भारी हंगामा, कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित

कर्नाटक, 24 मार्च। कर्नाटक में सार्वजनिक ठेकों में मुसलमानों को आरक्षण देने के मुद्दे पर सोमवार को राज्यसभा की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई। दोपहर के भोजन के बाद जब सदन की कार्यवाही फिर से शुरू हुई तो विपक्ष की नारेबाजी के बीच पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने तेल क्षेत्र (विनियमन और विकास) संशोधन विधेयक, 2024 में लोकसभा द्वारा किए गए संशोधनों को विचार के लिए पेश किया। प्रस्ताव को ध्वनिमत से पारित किए जाने के बाद, उपसभापति हरिवंश

ने हंगामा जारी रहने के कारण सदन की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी।

हंगामे की वजह से उच्च सदन में शून्यकाल और प्रश्नकाल नहीं हो पाया। सदन के नेता एवं भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि कर्नाटक विधानसभा में ठेकेदारों को ठेके देने के लिए 4% आरक्षण (अल्पसंख्यकों को) देने का प्रस्ताव पारित किया गया है। सरदार पटेल और अंबेडकर ने कहा था कि धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं होगा। तेलंगाना विधानसभा में सबसे पहले उन्होंने एससी, एसटी और ओबीसी के अधिकार छीनकर मुसलमानों और अल्पसंख्यकों को आरक्षण दिया। डीके शिवकुमार ने फिर कहा है कि संविधान कांग्रेस ने दिया है और संविधान बदलने का काम भी कांग्रेस ही करेगी। कोई पश्चाताप नहीं है। सत्ता पक्ष के सदस्यों के हंगामे के बीच नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने दावा किया कि डॉ. बी आर आंबेडकर के बनाये संविधान को कोई भी ताकत नहीं बदल सकती है। सदन की बैठक शुरू होते ही भाजपा सदस्यों ने आरक्षण का मुद्दा उठाया और हंगामा करने लगे। हंगामे के बीच ही संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने कहा कि जो लोग संविधान के रक्षक होने का दावा करते हैं, वे लोग संविधान की धज्जियां उड़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि एक महत्वपूर्ण संवैधानिक पद पर बैठे एक कांग्रेस नेता ने कहा है कि आरक्षण के मुद्दे पर जरूरत पड़ी तो संविधान में बदलाव किया जाएगा।

मुस्लिम आरक्षण के वास्ते संविधान बदलने की बात नहीं कही: डी के शिवकुमार

कर्नाटक, 24 मार्च। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने राज्य में मुसलमानों के लिए चार प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था करने के लिए संविधान में बदलाव करने के संबंध में अपने द्वारा कोई भी बयान दिए जाने का सोमवार को खंडन किया और दावा किया कि उनकी बात को गलत तरीके से पेश किया गया। उन्होंने विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव लाने की भी चेतावनी दी। शिवकुमार ने यहां संवाददाताओं से कहा, मैं एक संवेदनशील वरिष्ठ नेता हूं...मैं पिछले 36 वर्षों से विधानसभा में हूं। मेरे पास बुनियादी समझ है। मैंने ऐसा (संविधान बदलने के बारे में)कभी नहीं कहा। उपमुख्यमंत्री ने कहा, मैंने सामान्य ढंग से कहा कि विभिन्न निर्णयों के बाद बहुत सारे बदलाव होंगे। जो भी आरक्षण दिया गया है, वह पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण के अनुसार ही है। मैंने कभी नहीं कहा कि हम संविधान बदल देंगे और इस तरह की बातें करेंगे। प्रदेश कांग्रेस प्रमुख शिवकुमार ने कहा, वे जो भी उद्धृत कर रहे हैं, वह गलत है। वे मेरी बात को गलत तरीके से उद्धृत कर रहे हैं। मैं यह स्पष्ट रूप से कह रहा हूं। मैं इस पर विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव लाऊंगा। मैं इस मामले को लेकर लड़ूंगा। वे मेरी बात को गलत तरीके से उद्धृत कर रहे हैं। शिवकुमार की यह प्रतिक्रिया उनकी कथित टिप्पणी पर सोमवार को भाजपा के विरोध के चलते लोकसभा की कार्यवाही बाधित होने के मद्देनजर आई।

बांग्लादेश के बदलते सुरों को गंभीरता से लेना होगा

-ललित गर्ग

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने भारत और बांग्लादेश के संबंधों पर कहा कि हमारे रिश्ते बेहद मजबूत हैं। बस कुछ गलतफहमियां हैं, जिन्हें दूर करने की कोशिश की जा रही है। सौ चूहे खाकर बिल्ली हज को चली वाली स्थिति में यूनुस किन रिश्तों के मजबूत होने की बात कर रहे हैं, कैसी गलतफहमियां और किनके द्वारा उत्पन्न गलतफहमियों की बात वे कर रहे हैं? यूनुस के नेतृत्व में बनी अंतरिम सरकार ने भारत से दूरियां बढ़ाने की कोई कसर नहीं छोड़ी, वहां हिन्दुओं एवं हिन्दू मन्दिरों पर कहर बरपाया गया, पाकिस्तान के साथ दोस्ती बढ़ाने की कवायद करते हुए भारत को डराने की कोशिशें हुई, कट्टरपंथी एवं जिहादी ताकतों को सहयोग, समर्थन और संरक्षण दिया गया है, इन सब स्थितियों को उग्र से उग्रतर बनाकर अब यूनुस किन रिश्तों की बात कर रहे हैं, वे क्यों बैंकॉक में आयोजित होने वाले बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात करना चाहते हैं? बांग्लादेश का भारत-विरोधी रवैया दुर्भाग्यपूर्ण ही नहीं, बल्कि विडम्बनापूर्ण बना है। भारत से पंगा बांग्लादेश को कितना महंगा पड़ रहा है, इसका अनुमान बांग्लादेश की बिगड़ती अर्थ-व्यवस्था, शांति-व्यवस्था एवं अराजकता को देखते हुए सहज ही लगाया जा सकता है। इन ज्वलंत होती स्थितियों का सबसे बड़ा कारण भारत से दुश्मनी ही है। बांग्लादेश में अराजकता, हिंसा एवं जर्जर होते हालात को मोहम्मद यूनुस सरकार नियंत्रित नहीं कर पा रही हैं। मुल्क अभी भी भीड़ की हिंसा की उन घटनाओं से उबर नहीं रहा है, जो पिछले अगस्त में शेख हसीना को सत्ता से हटाने वाले आंदोलन के बाद शुरू हुई थी। यूनुस से क्षेत्र में शांति व सद्भाव की जो उम्मीदें थी, उसमें उन्होंने मुस्लिम कट्टरपंथ को आगे करके निराश ही किया है। उनकी सरकार लगातार विघटनकारी, अड़ियल व बदमिजाजी का रुख अपनाए हुए है। यदि भारतीय प्रधानमंत्री बैंकाक में यूनुस से वार्तालाप करते हैं तो उन्हें उनके इरादों को लेकर सतर्क एवं सावधान रहना चाहिए।

भारत प्रारंभ से बांग्लादेश का सहयोगी एवं हितैषी रहा है, इसी कारण उसने पिछले डेढ़ दशकों में जो आर्थिक तरक्की हासिल की, छह फीसदी से अधिक दर से जीडीपी को बढ़ाया और 2026 तक विकासशील देशों के समूह में शामिल होने का सपना देखा, उन सब पर मोहम्मद यूनुस की अगुवाई वाली अंतरिम सरकार के संकीर्णतावादी एवं दुराग्रही सोच के कारण काली छाया मंडराने लगी है। बांग्लादेश में भारत विरोधी वातावरण तैयार किया जा गया, वहां हिंदुओं एवं अन्य अल्पसंख्यकों पर हमले की घटनाओं पर भारत की तमाम चिंताओं के बावजूद गंभीरता नहीं दिखाई गयी और अल्पसंख्यक हिन्दुओं के दमन को रोकने के लिए वांछित कदम उठाने से इनकार किया गया है। इन सब स्थितियों के कारण आज वहां कानून-व्यवस्था के सामने समस्या पैदा हो गई है, बांग्ला राष्ट्रवाद की वकालत करने वालों पर खतरा मंडराने लगा है, प्रगतिशील मुस्लिमों एवं अल्पसंख्यकों पर हमले हो रहे हैं और बंगबंधु व मुक्ति संग्राम के इतिहास को मिटाने का प्रयास हो रहा है। बांग्लादेश की यह गति इसलिए हुई है, क्योंकि मोहम्मद यूनुस सरकार आम जन की अपेक्षाओं के अनुरूप चुनौतियों से लड़ पाने में नाकाम रहे हैं और भारत से टकराव मोल लेकर उन्होंने अपने पांवों पर खुद कुल्हाडी चलाई है। बांग्लादेश के हुक्मरानों और विशेषतः यूनुस सरकार ने विवाद के नये-नये मुद्दे तलाश कर दोनों देशों के आपसी संबंधों को नेस्तनाबूद किया हैं। आज वहां सांविधानिक, राजनीतिक वैधता का संकट तो गहराया ही है लेकिन लोकतांत्रिक मूल्य भी धुंधला रहे हैं।

बांग्लादेश में शेख हसीना के तख्तापलट के बाद वहां की अंतरिम सरकार का नेतृत्व कर रहे मोहम्मद यूनुस भले ही नोबेल पुरस्कार से सम्मानित हो, लेकिन उनकी सोच एवं कार्य-पद्धति में कट्टरवाद एवं भारत-विरोधी मानसिकता है। भले ही वे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से वार्ता करके भारत से दोस्ती का नाटक करें। लेकिन उनके इरादों पर भरोसा नहीं किया जा सकता, क्योंकि हाथी के दांत खाने के और दिखाने के और है। चीन के खासे प्रभाव में आकर बांग्लादेश उसका सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। उसने वहां महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को वित्त पोषित किया है और वह बांग्लादेशी सेना के हथियारों का प्रमुख आपूर्तिकर्ता है। चीन ने ऐतिहासिक रूप से दक्षिण एशिया में भारतीय प्रभाव का मुकाबला करने के लिए पाकिस्तान को एक रणनीतिक साझेदार के रूप में इस्तेमाल किया है और वह इस्लामाबाद की मदद से बांग्लादेश में भी अपना प्रभाव बढ़ाने का अवसर नहीं छोड़ रहा है। पाकिस्तान को अतिश्योक्तिपूर्ण ढंग से अपने आतंरिक मामलों में जगह दे देकर बांग्लादेश ने खुद खतरा मौल लिया है। पाकिस्तान भारत के उत्तर-पूर्वी भाग में अलगाववाद को बढ़ावा देने के लिए बांग्लादेश का उपयोग करता है। वह आतंकवादियों की घुसपैठ के लिए भी बांग्लादेश का उपयोग करता है। इसी के चलते अंतरिम सरकार के प्रमुख के रूप में यूनुस ने कई कट्टरपंथी संगठनों से प्रतिबंध हटाया है और आतंकी गतिविधियों के लिए आरोपित नेताओं को जेल से रिहा भी किया है। भारत को इसकी भी अनदेखी नहीं करना चाहिए कि बांग्लादेश में पाकिस्तान के दखल का मुख्य ध्येय भारत को कमजोर एवं अशांत करना ही है। यूनुस का कार्य व्यवहार चिंतित करने वाला है। वह यथाशीघ्र चुनाव कराने में रुचि दिखाने के बजाय ऐसे एजेंडे अपने हाथ में ले रहे हैं, जिससे लंबे समय तक सत्ता में बना रहा जाए।

अब तो बांग्लादेश की सेना भी यूनुस के रवैये को लेकर सशंकित दिख रही है। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के विरुद्ध जिन छात्रों के विद्रोह के चलते यूनुस बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख बने, उन छात्रों ने पिछले दिनों नेशनल सिटिजंस पार्टी नाम से अपना अलग दल गठित कर लिया और यह आरोप भी लगाया कि सेना शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग को फिर से सत्ता में लाने की साजिश रच रही है। यह चकित करने वाला घटनाक्रम है। इसलिए और भी, क्योंकि बांग्लादेश की सेना ने इस पार्टी के आरोपों को हास्यास्पद और निराधार करार दिया। भारत को बांग्लादेश के घटनाक्रम पर इसलिए निगाह रखनी होगी, क्योंकि माना जा रहा है कि छात्रों की इस नई पार्टी के गठन के पीछे यूनुस का ही हाथ है। बांग्लादेश में आंतरिक स्थिति जटिल से जटिलतर होती जा रहा है, स्थितियां विकराल हो रही है, आम जनता पर दुःखों, परेशानियों एवं समस्याओं के पहाड़ टूटने लगे हैं। वहां जैसी आंतरिक गुटबाजी, प्रशासनिक शिथिलताएं, अराजकताएं और अव्यवस्थाएं बढ़ रही हैं, उसे देखते हुए सेना प्रमुख जनरल वकार उज-जमां ने सेना की भूमिका बढ़ाने की बात कही है। उनका संकेत साफ है, यदि अंतरिम सरकार हालात को संभाल पाने में नाकाम रहती है, तो सेना मोर्चा संभालने को तैयार है।

भारत के सहयोग से हसीना के नेतृत्व में बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ रही थी और वह जीडीपी वृद्धि कर रहा था। लेकिन उनके तख्तापलट के बाद से विकास में तेजी से गिरावट आई है और देश मंदी की ओर बढ़ रहा है। विश्व बैंक और आईएमएफ का कहना है कि हसीना के सत्ता से हटने के बाद से बांग्लादेश की विकास-दर आधी हो गई है और उसका कपड़ा उद्योग-जो उसके विकास का आधार था-बेरोजगारी से बुरी तरह प्रभावित हुआ है। लेकिन अंतरिम सरकार मौजूदा स्थिति के लिए हसीना सरकार को दोषी ठहराती है, यह बांग्लादेश की आंतरिक राजनीति है। लेकिन यह तय है कि बांग्लादेश और पाकिस्तान की बढती नजदीकियां, बांग्लादेश का भारत विरोध और पाकिस्तान प्रेम इस मुल्क पर भारी पड़ रहा है। भले ही 54 सालों में पहली बार बांग्लादेश और पाकिस्तान सीधा कारोबार शुरू हुआ है। देखने वाली बात यह भी है कि पाकिस्तान और भारत के बीच संबंध सामान्य नहीं हैं और व्यापार ठप्प है। ऐसे में इसका असर भारत पर नहीं पाकिस्तान पर जरूर पड़ा है और वहां की जनता त्राहि-त्राहि कर रही है। बांग्लादेश के लिए भारत जो मायने रखता है, उसकी भरपाई पाकिस्तान तो कतई नहीं कर सकता है। जिस बांग्लादेश को पाकिस्तानी क्रूरता से मुक्त कराकर एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में भारत ने तमाम कुर्बानियों के बाद जन्म दिया, वही बांग्लादेश क्या सोचकर भारत से दूरियां बढ़ाई? अब अपनी गलती का अहसास करते हुए वह भारत से दोस्ती चाहता है तो भारत को सतर्कता, सावधानी, दूरगामी सोच, कूटनीतिक सोच से कदम उठाने चाहिए।

कुछ ऐसा हो कि आम आदमी का न्यायालय के प्रति विश्वास कायम रहे

अशोक भाटिया

कपिल सिबल ने हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में न्यायिक प्रणाली की खामियों के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि न्यायिक प्रणाली में लोगों का भरोसा मक हो रहा है। हालांकि दिल्ली हाईकोर्ट के जज यशवंत वर्मा के आवास पर कैश मिलने के मामले में उन्होंने टिप्पणी करने से इंकार करते हुए कहा कि जिम्मेदार नागरिक के तौर पर इस पर बोलना उचित नहीं होगा। पर न्यायाधीश यशवंत वर्मा के बंगले से 15 करोड़ रुपये नकद पाए जाने की खबरों ने पूरे देश में हलचल मचा दी। एकमात्र भरोसा जो न्यायपालिका में था और वह भी पूरी तरह से कमजोर हो गया है। अतीत में न्यायाधीशों द्वारा नकद एकत्र करने और निर्णय पारित करने के कई उदाहरण हैं कि बदले में किसी को लाभ होगा। लेकिन इससे पता चलता है कि आम आदमी को पहले न्यायपालिका पर सिर्फ भरोसा था लेकिन अब वह भी नहीं है। दिल्ली में वर्मा के बंगले से नकदी मिली थी और पुलिस ने जब्त कर लिया था और अब सुप्रीम कोर्ट उसे अपने इलाहाबाद उच्च न्यायालय में वापस भेजने का फैसला करेगा। पूरा फैसला अब प्रधान न्यायाधीश खन्ना के पास है और वह जल्द ही फैसला करेंगे कि वह वर्मा के खिलाफ क्या कार्रवाई करेंगे।

गौरतलब है कि एक मुख्य न्यायाधीश पद छोड़ने के बाद किसी राज्य के राज्यपाल का पद संभालेगा, कोई अन्य व्यक्ति एक महिला कर्मचारी द्वारा उसके खिलाफ लगाए गए गंभीर आरोपों पर खुद का न्याय करेगा, और अपने पद से मुक्त होने के बाद, वह राज्यसभा में सदस्यता स्वीकार करेगा। एक न्यायाधीश खुले तौर पर धार्मिक रुख अपनाएगा और कोई अन्य व्यक्ति पद से इस्तीफा दे देगा और अगले दिन चुनावी मैदान में उतरेगा। एक अन्य महिला न्यायाधीश का कहना है कि किसी महिला के स्तनों को छूना और उसके कमर के कपड़े की नब्ज को छोड़ना बलात्कार का प्रयास नहीं है। सुप्रीम कोर्ट भी जज की बलात्कार की 'परिभाषा' को सबसे घृणित कृत्य के रूप में मानता है और न्यायाधीश का मनोबल गिराता है। और अब, न्याय के एक ही देवता की दिव्यता की एक श्रृंखला में, उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के घर के चारों ओर नकदी चलने का आरोप है, और न्यायपालिका उग्र आग को बुझाने के लिए एक ही रन शुरू करती है। यह हमारी वर्तमान न्यायिक प्रणाली की एक गंभीर तस्वीर है। कई लोग अधिक उदाहरण जोड़ने और उन्हें अधिक रोचक और रोचक बनाने के लिए ललचाएंगे। मसलन, निजी इंजीनियरिंग कॉलेजों को लेकर अपने कार्यकाल के अंतिम दिन एक पूर्व मुख्य न्यायाधीश का फैसला। लेकिन अदालतों के बारे में चर्चा पर कानूनी बाधाओं के कारण इन या कई अन्य निर्णयों पर चर्चा नहीं की जाती है। फिर भी इसके बारे में जो कहा जाता है उससे न्यायपालिका के प्रति सम्मान नहीं बढ़ता है।

महाशक्ति बनने का सपना देख रहे देश की व्यवस्थाओं के अनवरत पतन का यह न्यायिक यथार्थ किसी को भी आश्चर्य होगा कि जब देश की सभी नियामक व्यवस्थाएं अपनी गरिमा, अपनी निष्पक्षता और निष्पक्षता खो रही हैं, तो न्याय के देवता के वेश की पवित्रता कैसे बनी रहेगी। लेकिन पतन की यह यात्रा 'पहले दूसरी व्यवस्था और फिर न्याय प्रणाली' नहीं है। पहले न्यायपालिका अपनी मंजूरी देती है और फिर दूसरों को अस्वीकार करना शुरू होता है। न्यायपालिका नियामक का नियामक है। उदाहरण के लिए, चुनाव आयोग लोकतांत्रिक प्रक्रिया का नियामक है। लेकिन जब इसकी निष्पक्षता के बारे में सवाल उठता है, तो सुप्रीम कोर्ट से निर्णायक भूमिका निभाने की उम्मीद की जाती है। लेकिन इस महत्वपूर्ण क्षण में, सुप्रीम कोर्ट स्तब्ध है और चुनाव आयुक्तों की परंपरा शुरू होती है राज्यपाल की नाम प्रणाली के बारे में भी यही कहा जा सकता है। दोनों प्रणालियों के नैतिक डाउनसाइड्स के उदाहरण दिन-प्रतिदिन बढ़ रहे हैं। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट को इन गिरोहों को रोकने के अपने अधिकार का इस्तेमाल करना चाहिए। क्योंकि तभी इस दैनिक अवमूल्यन से बचा जा सकेगा। लेकिन सुप्रीम कोर्ट इस पर अपने कर्तव्य के प्रति जागता नहीं दिख रहा है। इसका सीधा सा मतलब है कि जब न्यायपालिका कर्तव्य में लापरवाही के आरोपों से खुद को नहीं बचा सकती है, तो यह सार्वभौमिक विनाश और गिरावट की शुरूआत है। यदि किसी न्यायाधीश के घर में नोटों का ढेर पाया जाता है, तो यह इस गिरावट का एक स्पष्ट संकेतक है। न्याय का देवता खुद को इस गिरावट की जिम्मेदारी से नहीं बचा सकता। दुर्भाग्य से, ऐसा लगता है।

इसलिए, इससे पहले कि हम वास्तव में यह पता लगा सकें कि न्यायाधीश के घर में वास्तव में इतनी नकदी मिली थी या नहीं, इस मामले से निपटने के लिए सर्वोच्च न्यायालय के प्रयास बेकार हैं, जिसमें कई मुद्दे शामिल हैंः सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इस घटना को मीडिया द्वारा उजागर किया गया था, न्यायाधीश के घर में आग लग गई, और इसे बुझाने के प्रयासों में नकदी पकड़ी गई। ऐसा कहा जाता है। अब तो फायर ब्रिगेड भी इस बात से इनकार कर रही है कि ऐसा कुछ हुआ है और यहां तक कि सुप्रीम कोर्ट को भी इसकी सत्यता पर संदेह है। अगर यह मान लिया जाए कि वे सच हैं, तो सवाल यह है कि क्या उच्च न्यायालय ने वास्तव में सोचा था कि न्यायाधीश से पूछताछ की जानी चाहिए? जिस स्थिति में सब कुछ ठीक चल रहा हो, किसी के चरित्र के बारे में कोई संदेह नहीं है, वहां जांच का आदेश नहीं दिया जाता है। यानी जांच इसलिए की गई क्योंकि दिल्ली उच्च न्यायालय को कुछ संदेह था। तब करेंसी नोटों का ये मामला सामने आया और फिर इस ट्रांसफर की सिफारिश और नोटों की खोज के बीच कोई संबंध नहीं था। यह बाद में कहा गया था। यह बचाव बहुत स्कूली है। न्यायपालिका से इस तरह के दमदार तर्क की उम्मीद नहीं की जाती है। इलाहाबाद बार काउंसिल द्वारा उठाया गया मुद्दा बचाव पक्ष के तर्कों के झूठ को दर्शाता है। क्या इलाहाबाद उच्च न्यायालय कूड़े का ढेर है? यह वकीलों के संघ का सवाल है। यह बहुत वैध है। क्योंकि अगर इस जज के कार्यों में कुछ भी गलत है, तो केवल स्थानांतरण इस पर पहली प्रतिक्रिया कैसे है? यह क्यों माना जाना चाहिए कि माननीय न्यायाधीश कथित नकदी को इकट्ठा करने की कोशिश नहीं करेंगे जो यह न्यायाधीश दिल्ली उच्च न्यायालय में रहते हुए जमा करने में सक्षम था? यह एक विभाग में भ्रष्टाचार के आरोपी मंत्री को पोर्टफोलियो बदलने के लिए छोड़ने जैसा है। वास्तव में, न्यायाधीशों की तुलना मंत्रियों से और सर्वोच्च न्यायालय की मुख्यमंत्री/प्रधानमंत्री से तुलना करने का समय राजनेताओं की पदोन्नति नहीं है। यह न्यायपालिका का पतन है। इसे अमान्य नहीं किया जा सकता है। यदि आप नहीं चाहते कि ऐसा हो, तो सुप्रीम कोर्ट को इन महत्वाकांक्षी न्यायाधीशों को केवल स्थानांतरण के लिए हमसे रिहा कर देना चाहिए। यह एक ही 'सजा' पर नहीं होना चाहिए। चाहे वह विधानमंडलों के अध्यक्ष हों या राज्यपाल हों या चुनाव आयोग हों या न्यायाधीश, इस वर्ग को भी पचा लिया गया है और कान में गांठ डाल दी गई है। सुप्रीम कोर्ट के कान-टू-कान उनकी परवाह नहीं करते हैं। इसका मतलब है कि इस वर्ग को कड़ी सजा देने का समय आ गया है। सुप्रीम कोर्ट ने शनिवार देर रात संकेत दिया कि इन जजों की जांच गोपनीय नहीं होगी। यह स्वागत योग्य है, लेकिन कुल मिलाकर उच्चतम न्यायालय को चूककताओं के विरुद्ध कड़ी से कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए और एक उदाहरण स्थापित करना चाहिए।

इसके बजाय, सुप्रीम कोर्ट के इस तर्क को बर्दाश्त करना मुश्किल होगा कि हम अपनी नियुक्तियां करेंगे, कि हम अपने खिलाफ आरोपों की जांच करेंगे और हम उनका न्याय भी करेंगे। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ यह सुझाव देते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने एक स्वतंत्र एजेंसी के माध्यम से न्यायाधीशों की नियुक्ति करने के केंद्र सरकार के फैसले को पलट दिया और न्यायपालिका के माध्यम से उन्हें जारी रखने का फैसला किया। यानी सिद्धांत रूप में, वरिष्ठ न्यायाधीशों का एक समूह कनिष्ठों का चयन करेगा। दाएँ। क्योंकि अगर यह आरोप केंद्र सरकार के पास भी जाता है तो अदालतों को चुनाव आयोग बनने में देर नहीं लगेगी। इसलिए न्यायिक व्यवस्था सही है। लेकिन अगर इसकी पवित्रता को बरकरार नहीं रखा जाता है और न्यायाधीशों को 'एक को ढंकने, दूसरे को हटाने' के लिए नियुक्त किया जाता है, तो न्यायाधीशों की आत्मनिर्णय की शक्ति को कम करने की मांग बढ़ेगी और सरकार इस 'लोगों' का सम्मान करने के लिए न्यायपालिका को और मजबूत करेगी। लोकतंत्र को बचाने की जिम्मेदारी एक बार होने दें; लेकिन कम से कम सुप्रीम कोर्ट में न्याय के देवता की अवज्ञा को रोकने का साहस होना चाहिए, अन्यथा भविष्य मुश्किल होगा।

सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम के सदस्यों ने कहा है कि अगर वर्मा का तबादला होता है तो न्यायपालिका की छवि खराब होगी क्योंकि चाहे वह न्यायपालिका हो या सरकार या कोई संस्था, उसका नाम और उसकी प्रतिष्ठा धारणा पर निर्भर करती है। यदि यह चला जाता है, तो इसे पुनर्प्राप्त नहीं किया जा सकता है चाहे कुछ भी किया जाए। न्यायपालिका में पारदर्शिता और जवाबदेही आवश्यक है और इसीलिए इस मुद्दे पर राज्यसभा में चर्चा की जाएगी। लेकिन सिर्फ मुद्दे पर चर्चा करने का कोई फायदा नहीं है। इसलिए यदि वे दोषी हैं, तो उन्हें दंडित किया जाना चाहिए और इस तरह देखा जाना चाहिए। चाहे वह वर्मा हों या न्यायाधीश, साधारण अपराधी नहीं हैं, बल्कि न्यायिक प्रणाली में उच्च पदों पर काम करने वाले लोग हैं। उन्हें उचित रूप से दंडित किया जाना चाहिए। क्योंकि दिन के अंत में, सीजर को सबसे ऊपर होना चाहिए और उसका जीवन संदेह में होना चाहिए। यह न्याय प्रणाली में सीजर का काम है। ऊपर उल्लिखित न्यायाधीश को स्थानांतरित करना गलत है, भले ही उनकी बेगुनाही साबित नहीं हुई हो। इसलिए सभी भारतीयों का कहना है कि उनके बारे में सही फैसला उनकी पर्याप्त बेगुनाही साबित करने के बाद ही लिया जाना चाहिए। क्योंकि न्यायपालिका सर्वश्रेष्ठ है और इस अवसर पर न्यायपालिका की परीक्षा ली गई है।

आत्म गौरव से उपजा स्वाधीनता का स्वर

संजीव ठाकुर

करीबन आठ सौ से हजार वर्षों की परतंत्रता के बाद अनेक जीवन का बलिदान देने और विभिन्न संघर्षों के बाद हमें स्वतंत्रता प्राप्त हुई है। इस संघर्ष से प्राप्त स्वतंत्रता को हमें देश की एकता, अखंडता एवं सामाजिक समरसता की शक्ति से चिरकाल तक स्थाई रूप से बनाए रखना है अब कभी स्वतंत्रता पर खतरा ना आए यह हमारे देश के दिग्दर्शकों को अपनी कर्मठ जिजीविषा से बनाए रखना होगा। स्वतंत्रता प्राप्त करने के बाद हमारी एकता, अखंडता एवं एकरूपता मजबूत हुई है, पर कतिपय राजनैतिक मंसूबों के कारण आज हम सांप्रदायिकता, क्षेत्रीयता, जातीयता और अलग-अलग भाषाओं के संघर्षों से गुजर रहे हैं। हम आज मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारा और चर्च के विवाद को लेकर विवाद ग्रस्त हो जाते हैं। कभी हिंदी, अंग्रेजी, उर्दू, पंजाबी,मराठी,तेलगु,और कभी असमी भाषा के असमंजस में फंस कर एक दूसरे का विरोध जताना शुरू कर देते हैं। मूलतः हमें राष्ट्रीय अखंडता को बनाए रखने के लिए सांप्रदायिकता के विद्वेष, ईर्ष्या, जलन और सीमा तथा भाषाई विवाद से परे हटकर देश में अखंडता, सांप्रदायिक सद्भावना का एक शुद्ध वातावरण समाज में तैयार करना होगा, जिसके फलस्वरूप हम विकास की मुख्यधारा में अपना व्यक्तिगत योगदान राष्ट्र के प्रति दे सकें। डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी ने कहा था कि भारत संपूर्ण विश्व में एक अकेला ऐसा राष्ट्र है जहां मंदिरों ,मस्जिदों, गिरजाघरों और गुरुद्वारों का एक एकात्मक सह अस्तित्व कायम है। वर्तमान समय में वैश्विक स्तर पर आतंकवाद शांति सद्भावना एवं किसी भी राष्ट्र की अखंडता एकता एकरूपता के लिए सबसे बड़ा खतरा है। आतंकवादी कभी अमेरिका और कभी भारत के दिल्ली, मुंबई और अनेक प्रदेशों को अपना निशाना बनाकर आतंक फैलाने का प्रयास करते हैं और आतंकवाद ने कई राज्यों में अपार जनहानि तथा संपत्ति की क्षति पहुंचाई है। इसके अतिरिक्त अलगाववादियों ने भी राष्ट्रीय एकता अखंडता को भंग करने का पुरजोर प्रयास किया है। राजनीतिक पार्टियों के मंसूबों तथा उनकी महत्वाकांक्षाओं के कारण भी अलग-अलग जातियों संप्रदाय तथा पूजा के पवित्र स्थानों को लेकर समाज को अलग करने का बीजारोपण भी किया है। राजनीतिक पार्टियों के चंद राजनेता वोट बैंक बनाने के लिए कभी अल्पसंख्यकों में अलगाव के बीच बोलने का प्रयास करते हैं। कभी आरक्षण के नाम पर पिछड़े वर्गों को देश की मुख्यधारा से बहकाने का प्रयास करते हैं, और कभी किसी विशेष जाति प्रांत या भाषा के हकदार बन कर देश की एकता, अखंडता को खंडित करने का पुरजोर प्रयास करते हैं। यह अत्यंत निंदनीय एवं चिंतनीय सामाजिक पहलू है, जिस संदर्भ में हमें गहन विचार करने की आवश्यकता भी है। सामाजिक स्तर पर हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई एवं अन्य वर्ग सुचारू रूप से भाईचारे में अखंड विश्वास रखते हैं एवं सामान्य जीवन करने में विश्वास रखते हैं। पर राजनैतिक मंसूबों के कारण कुछ राजनेता इन सभी संप्रदायों को आपस में लड़वाकर अपना उल्लू सीधा करने का प्रयास करते हैं। पर यह एक अत्यंत विचारणीय पहलू है कि राष्ट्रीय अखंडता एकता तथा सहयोग को बनाए रखने के लिए केवल राजनेता या प्रशासनिक अधिकारियों का कार्य न होकर हम सबका यह कर्तव्य भी है कि हमें एकजुट होकर राष्ट्र सर्वोपरि की भावना को सदैव बनाए रखने का सतत प्रयास करना चाहिए। हम यदि ऐतिहासिक रूप से देखें की अनेक धर्मो जातियों और अनेक भाषाओं वाला भारत देश पूर्व में अनेक विसंगतियां के बावजूद सदैव एकता के सूत्र में बंधा रहा है। भारत देश में पूर्व में भी अनेक विदेशी जातियां आई और धीरे-धीरे भारत की मूल धारा में समाहित होती गई। भारत में आगमन के साथ इन्हीं जातियों की परंपराएं, विचारधाराएं, संस्कृति, संस्कार भारत की मुख्य धारा में एक रूप हो गई।

और भारत की सांप्रदायिक सौहार्द की भावना आज भी वैसी की वैसी ही है। भारत के जिम्मेदार नागरिक होने के कारण हमारी बड़ी नैतिक जिम्मेदारी है कि हम इस देश की अखंडता एकता समरूपता और परंपरा को मजबूत बनाकर विश्व के सामने एक मिसाल के रूप में पेश करें। यह सार्वभौमिक सत्य है कि कोई देश यदि संगठित एक रूप और शक्तिमान होता है तो सारा विश्व उसकी इस ऊर्जा शक्ति को चिन्हित कर उसका सम्मान करता है। और उस पर आक्रमण या किसी भी तरह के प्रतिबंध लगाने से भयभीत रहता है। जब तक हम एकता के सूत्र में बंधे तब तक हम मजबूत एवं शक्तिशाली हैं और जब हम खंडित या विघटित हुए तब तब देश कमजोर हुआ है। अब हमें इन विघटनकारी ताकतों और विध्वंस कारी शक्तियों को नियंत्रण में लाकर इन्हें देश से बाहर भगाना होगा और इन पर प्रभावी नियंत्रण कर के देश की संप्रभुता एकता को बनाए रखना होगा। इसके लिए देश के संचार माध्यम, मीडिया, साहित्यकारों, कलाकारों को राष्ट्रीय एकता के लिए अपने को समर्पित भाव से सामने लाकर देश की सेवा करनी होगी।

अस्पतालों में बिना जरूरत के बढ़ते सीजेरियन

-प्रियंका सौरभ

क्या आपको मालूम है कि सिजेरियन डिलीवरी, या सी-सेक्शन, दुनिया में सबसे अधिक की जाने वाली सर्जरी है? सीजेरियन सेक्शन बनाम नार्मल डिलीवरी का विषय काफी चर्चा में रहता है, खासकर तब जब इसका जरूरत से ज्यादा उपयोग होने लगे। कुछ लोग इसे एक ₹बिजनेस मॉडल₹ मानते हैं, तो कुछ इसे मेडिकल साइंस की उपलब्धि के रूप में देखते हैं। सीजेरियन सेक्शन एक सर्जिकल प्रक्रिया है, जो तब की जाती है जब सामान्य (नार्मल) डिलीवरी संभव न हो या माँ और बच्चे के स्वास्थ्य के लिए जोखिम हो। लेकिन आजकल कई जगहों पर यह मेडिकल जरूरत से ज्यादा किया जा रहा है, खासकर निजी अस्पतालों में, जहाँ इसे जल्दी और सुविधाजनक समाधान के रूप में देखा जाता है। सीजेरियन अपने आप में गलत नहीं है, लेकिन जब यह व्यावसायिक फायदे के लिए या बिना ठोस मेडिकल वजह के किया जाता है, तब यह चिंता का विषय बन जाता है।

यह सच है कि कुछ निजी अस्पताल अधिक मुनाफे के लिए अनावश्यक सीजेरियन कर रहे हैं, लेकिन सभी को दोषी ठहराना उचित नहीं होगा। समाधान के लिए महिलाओं की जागरूकता, डॉक्टरों की नैतिक ज़िम्मेदारी और सरकारी नियमों की जरूरत है। कुछ सवाल है जिनके जवाब सबको मिलकर ढूँढने जरूरी है? क्या यह महिलाओं की जरूरत के हिसाब से बढ़ा है या अस्पतालों की कमाई का जरिया बन गया है? क्या डॉक्टर्स अपनी सुविधा के लिए बिना जरूरत सीजेरियन कर रहे हैं? क्या महिलाएँ खुद सीजेरियन को प्राथमिकता दे रही हैं, क्योंकि वे दर्द से बचना चाहती हैं? क्या महिलाओं को बिना उनके विकल्पों की सही जानकारी दिए सीजेरियन के लिए प्रेरित किया जाता है? सीजेरियन अपने आप में गलत नहीं है, लेकिन जब यह व्यावसायिक फायदे के लिए या बिना ठोस मेडिकल वजह के किया जाता है, तब यह चिंता का विषय बन जाता है। सही जागरूकता और जिम्मेदारी से इसका उपयोग होना चाहिए।

सही जागरूकता और जिम्मेदारी से इसका उपयोग होना चाहिए। पिछले कुछ सालों में भारत सहित कई देशों में सीजेरियन की दर तेजी से बढ़ी है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, केवल 10-15% मामलों में सीजेरियन आवश्यक होता है, लेकिन कई देशों में यह दर 50% या उससे अधिक हो चुकी है। भारत में कई निजी अस्पतालों में यह दर 50-80% तक देखी गई है। नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार, भारत के निजी अस्पतालों में सीजेरियन डिलीवरी की दर 40-50% तक पाई गई, जबकि सरकारी अस्पतालों में यह लगभग 20-25% थी। स्वास्थ्य बीमा योजना और जननी-शिशु सुरक्षा कार्यक्रम जैसी योजनाओं में बिना आवश्यकता के मरीजों की सर्जरी कर दी जाती है, क्योंकि ऐसी योजनाओं में या तो प्रोत्साहन राशि मिलती है, या फिर बीमा कंपनी को लाभ होता है। इनमें सिजेरियन, हार्निया, गॉलब्लेडर, अपेंडिक्स आदि से सम्बंधित मामले अधिक हैं। यह दुखद है, क्योंकि ऐसे मामलों में सबसे ज्यादा शोषण गर्भवती महिलाओं का होता है। सीजेरियन डिलीवरी का खर्च सामान्य डिलीवरी से 2-5 गुना अधिक होता है, जिससे अस्पतालों को अधिक मुनाफा होता है। नार्मल डिलीवरी में घंटों का समय लग सकता है, जबकि सीजेरियन एक तय समय में पूरा किया जा सकता है, जिससे अस्पतालों और डॉक्टरों को कम समय में अधिक डिलीवरी करने का मौका मिलता है। कुछ डॉक्टर निजी अस्पतालों में अपनी सुविधा के अनुसार डिलीवरी शेड्यूल करना पसंद करते हैं। कुछ महिलाओं को लेबर पेन का इतना डर होता है कि वे खुद सीजेरियन करवाने के लिए तैयार हो जाती हैं। कई बार मरीजों को डराकर यह बताया जाता है कि बच्चा खतरे में है, जिससे वे सीजेरियन के लिए मजबूर हो जाती हैं।

कई मामलों में सीजेरियन जरूरी होता है, जैसेः बच्चे की पोज़िशन सही न हो, जैसे ब्रीच पोज़िशन। डिलीवरी के दौरान जटिलताएँ हो जाएँ, जैसे प्लेसेंटा प्रीविया, गर्भनाल का फँसना। माँ को गंभीर स्वास्थ्य समस्या हो, जैसे हाई बीपी, डायबिटीज, हृदय रोग। बच्चे को ऑक्सीजन की कमी हो और तुरंत डिलीवरी जरूरी हो। पहले भी सीजेरियन हो चुका हो और नार्मल डिलीवरी सुरक्षित न हो। लेकिन जब बिना किसी ठोस मेडिकल वजह के सिर्फ. पैसे कमाने के लिए सीजेरियन किया जाए, तो यह नैतिक रूप से गलत है। कई प्राइवेट अस्पताल सीजेरियन को प्राथमिकता देते हैं क्योंकि यह जल्दी हो जाता है और अधिक खर्च आता है। महिलाओं का डर और जागरूकता की कमी के चलते कई महिलाएँ दर्द से बचने के लिए सीजेरियन चुन लेती हैं, जबकि नार्मल डिलीवरी अधिक लाभदायक होती है। महिलाओं को इस बारे जागरूक किया जाए, ताकि वे नार्मल डिलीवरी को प्राथमिकता दें। डॉक्टर्स को ज़िम्मेदारी से काम करना चाहिए, सिर्फ. जरूरत पड़ने पर ही सीजेरियन करना चाहिए। प्राकृतिक तरीकों को बढ़ावा दिया जाए, जैसे गर्भावस्था के दौरान योग और सही डाइट ताकि नार्मल डिलीवरी आसान हो सके।

इन सबके साथ-साथ सरकार को सख्ती से नियम लागू करने चाहिए, ताकि अनावश्यक सीजेरियन कम हों। नार्मल डिलीवरी को प्राथमिकता दें, जब तक कि मेडिकल कारण से सीजेरियन जरूरी न हो। गर्भावस्था के दौरान योग, सही खान-पान और व्यायाम करें, ताकि नार्मल डिलीवरी की संभावना बढ़े। अस्पतालों को अपने सीजेरियन और नार्मल डिलीवरी की दरें सार्वजनिक करनी चाहिए। महिलाओं को सीजेरियन की सिफारिश मिलने पर दूसरे डॉक्टर से सलाह लेने की आदत डालनी चाहिए। सरकार को निजी अस्पतालों में अनावश्यक सीजेरियन रोकने के लिए सख्त नियम बनाने चाहिए। महिलाओं को गर्भावस्था के दौरान सही जानकारी दी जानी चाहिए ताकि वे डॉक्टर के निर्णय को समझ सकें और सवाल पूछने में हिचकिचाएँ नहीं। अस्पतालों को नार्मल डिलीवरी को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहन दिया जाए। सिजेरियन डिलीवरी के बढ़ते मामलों पर अंकुश लगाने के लिए तेलंगाना के एक जिले ने तीन मिनट की एक लघु फिल्म बनाई है, 'सीजेरियन ला कू कथेरेधम' (आइए सिजेरियन डिलीवरी को कम करें)। दर्द से बचने के लिए बहुत-सी महिलाएँ नॉर्मल डिलीवरी की जगह सीजेरियन का विकल्प चुनतीं हैं, जो गलत है। सीजेरियन तभी सही है जब यह माँ और बच्चे की सुरक्षा के लिए जरूरी हो। अनावश्यक सर्जरी से बचना चाहिए क्योंकि यह शारीरिक और मानसिक रूप से माँ के लिए अधिक चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

दोस्ती में चापलूसी होती है

प्रधानमंत्री मोदी ने शेक्सपियर को पढ़ा हो या न पढ़ा हो, लेकिन उन्होंने शेक्सपियर के शब्दों में सच्चाई को जरूर आत्मसात किया है-दोस्ती में चापलूसी होती है। अपने मित्र राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की चापलूसी करते हुए, नरेंद्र मोदी आप्रवासन और निर्वासन, वीजा, व्यापार संतुलन, टैरिफ, परमाणु ऊर्जा, दक्षिण चीन सागर, ब्रिक्स, क्वाड और एफ.टी.ए. के मुद्दों पर बातचीत करने की उम्मीद करते हैं। राष्ट्रपति ट्रम्प के पास 4 साल हैं, और इससे ज्यादा नहीं। प्रधानमंत्री मोदी के पास 4 साल हैं और माना जाता है कि वे इससे ज्यादा चाहते हैं। यह स्पष्ट है कि सभी मुद्दे 4 आम वर्षों में हल नहीं हो सकते। अगली अमरीकी सरकार-चाहे रिपब्लिकन हो या डैमोक्रेट-शायद ट्रम्प के रास्ते पर चलना न चाहे। यहीं भारत के लिए पहला सबक है। दो नेताओं के बीच व्यक्तिगत दोस्ती से परे देखें।

इसके अलावा, जहां तक ट्रम्प का सवाल है, कोई भी भविष्यवाणी नहीं कर सकता कि दोस्त कब दुश्मन बन जाएगा और दुश्मन कब दोस्त बन जाएगा। भारत को नुकसान हो सकता है। मोदी ने पॉडकास्टर लैक्स फ्रिडमैन को दिए एक साक्षात्कार में ट्रम्प की उनकी विनम्रता और लचीलेपन के लिए प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि अपने दूसरे कार्यकाल में ट्रम्प पहले से कहीं ज्यादा तैयार थे और उनके दिमाग में एक स्पष्ट रोडमैप है जिसमें अच्छी तरह से परिभाषित कदम हैं, जिनमें से प्रत्येक उन्हें उनके लक्ष्यों की ओर ले जाने के लिए डिजाइन किया गया है। मोदी ने कहा, मुझे सच में विश्वास है कि उन्होंने एक मजबूत, सक्षम समूह बनाया है और इतनी मजबूत टीम के साथ, मुझे लगता है कि वे राष्ट्रपति ट्रम्प के विजन को लागू करने में पूरी तरह सक्षम हैं। सभी अमरीकी ट्रम्प की प्रशंसा से सहमत नहीं होंगे। सभी सीनेटरों और प्रतिनिधियों ने नहीं सोचा कि ट्रम्प द्वारा चुने गए सचिव सक्षम या मजबूत थे। सभी अमरीकी इस बात से सहमत नहीं होंगे कि ट्रम्प का विजन अमरीका या दुनिया के लिए अच्छा था। यदि ट्रम्प ने अपने दृष्टिकोण को लागू किया, तो यह भारत के लिए अच्छी खबर नहीं है। यदि ट्रम्प अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में सफल रहे तो इसका मतलब यह होगा कि अमरीका में अधिकांश अनि?दष्ट भारतीयों (अनुमानित 700,000) को भारत भेज दिया जाएगा। इसका मतलब यह होगा कि कई भारतीय ग्रीन कार्ड धारकों को अमरीकी नागरिकता से वंचित कर दिया जाएगा। इसका मतलब यह होगा कि अधिकांश भारतीय-अमरीकी नागरिक अपने परिवारों को संयुक्त राज्य अमरीका नहीं ला पाएंगे। इसका मतलब यह होगा कि उच्च योग्यता वाले भारतीयों को जारी किए जाने वाले एच-1बी वीजा की संख्या में भारी कमी आएगी। इसका मतलब यह होगा कि भारत को हार्ले-डेविडसन बाइक, बॉर्बन व्हिस्की, जींस और अन्य अमरीकी सामानों पर टैरिफ कम करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा।

पालक मंत्री गणेश नाईक ने किया साइबर सुरक्षित पालघर अभियान का शुभारंभ

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। महाराष्ट्र सरकार द्वारा जनता की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए राज्यव्यापी 100 दिवसीय विशेष अभियान के तहत ‘साइबर सुरक्षित पालघर’ अभियान का शुभारंभ रविवार 23 मार्च 2025 को पालघर जिले के पालक मंत्री गणेश नाईक के हाथों किया गया। इस अभियान के माध्यम से नागरिकों को साइबर अपराधों से सुरक्षित रहने के लिए जागरूक किया जायेगा।

बतादें कि डिजिटल युग में मोबाइल फोन और इंटरनेट के बढ़ते उपयोग के साथ साइबर अपराधों की घटनाएं भी तेजी से बढ़ रही हैं। ऑनलाइन धोखाधड़ी, हैकिंग, फिशिंग और अन्य साइबर अपराधों से नागरिकों को बचाने के लिए पालघर पुलिस ने इस विशेष अभियान की शुरूआत की है। इस अभियान के अंतर्गत नागरिकों को साइबर सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां दी जाएंगी, जिससे वे किसी भी प्रकार की ऑनलाइन ठगी का शिकार न बनें। पालघर जिला पुलिस अधीक्षक बालासाहेब पाटील की संकल्पना के तहत साइबर सेल की मदद से पूरे जिले में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों में सेमिनार, जागरूकता रैली, साइबर सुरक्षा कार्यशालाएं और सोशल मीडिया के माध्यम से जनसंवाद अभियान चलाया जायेगा।

इस अवसर पर पालघर जिले के पालक मंत्री मा. श्री गणेश नाईक के साथ सांसद डॉ.हेमंत विष्णु सावरा, विधायक दौलत दरोडा, राजेंद्र गावित, शांताराम मोरे, विनोद निकोले, विलास तरे व हरीशचंद्र भोये, जिलाधिकारी गोविंद बोडके, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी भानुदास पालवे तथा प्रमुख अतिथि के तौर पर सायबर विशेषज्ञ व लेखक डॉ. दीपक शिकारपुर के अलावा सभी पुलिस अधिकारी, पुलिस अमलदार, जिले के प्रतिष्ठित नागरिक, पुलिस पाटील, शांतता कमेटी के सदस्य व पत्रकार बंधु उपस्थित थे। इस दौरान उन्होंने नागरिकों को सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध ऑनलाइन गतिविधि की तुरंत रिपोर्ट करने की अपील की।

इस मौके पर मुख्य अतिथि डॉ. दीपक शिखापुरे ने साइबर अपराधों की बढ़ती घटनाओं पर प्रकाश डालते हुए जागरूकता फैलाने की आवश्यकता पर जोर दिया। इस दौरान उन्होंने साइबर सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी और नागरिकों को सतर्क रहने की सलाह दी।कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में मंत्री गणेश नाईक ने साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए जिला प्रशासन और पुलिस विभाग की सराहना की। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ‘साइबर सुरक्षित पथ’ को बढ़ावा देना और लोगों को साइबर धोखाधड़ी से बचाव के तरीकों के प्रति सचेत करना था। इस अवसर पर सायबर अपराध के संदर्भ में जनजागृति करने हेतु चित्रकला प्रतियोगिता व रिल्स प्रतियोगिता आयोजित किया गया। उक्त प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को पालक मंत्री गणेश नाईक के हाथों बक्षीस वितरित किया गया। यह कार्यक्रम पालघर पुलिस अधीक्षक बालासाहेब पाटील, अपर पुलिस अधीक्षक विनायक नरले, पुलिस उप अधीक्षक (गृह) संगीता शिंदे अल्फोंसो, बोईसर विभाग के उपविभागीय पुलिस अधिकारी विकास नाईक, पालघर विभाग के उपविभागीय पुलिस अधिकारी अभिजीत धाराशिवकर, दहानू विभाग उपविभागीय पुलिस अधिकारी अनिल लाड, जव्हार विभाग के उपविभागीय पुलिस अधिकारी गणपत पिंगले, परि.पुलिस उप अधीक्षक भगीरथी पवार के मार्गदर्शन में पुलिस निरीक्षक अजय गोरड प्रभारी अधिकारी सायबर पुलिस थाना, पुलिस उप निरीक्षक रूपाली वर्तक सायबर पुलिस थाना के अलावा सभी पुलिस थाना के प्रभारी अधिकारी व सायबर पुलिस थाना के सभी पुलिस अमलदार के विशेष प्रयासों से सफल रहा।

हर्षोल्लाश से मनाया गया उत्तर भारतीय स्वर्णकार मंडल ठाणे द्वारा भव्य होली मिलन व सत्कार समारोह

ठाणे (उत्तरशक्ति)। कलवा के खारेगांव रेतीबंदर स्थित होटल अमित गार्डन रेस्टो बार एण्ड पार्टी लान हाल में उत्तर भारतीय स्वर्णकार(सोनार) विकास मंडल मुंबई के अध्यक्ष रामजीवन लाल सोनी के मार्गदर्शन में ठाणे के क्षेत्रीय अध्यक्ष रमाशंकर सोनी नेतृत्व में हर्षोल्लाश के साथ मनाया गया होली मिलन समारोह व अतिथियों का सत्कार समारोह । बतादें कि मुंबई महानगर व उपनगरों में रह रहे सोनी समाज (स्वर्णकार) के लोगों ने अपने परिवार के साथ रहकर अपनी मेहनत व काबिलयत के दम पर अपना परचम लहराते हुये अपनी एक अलग पहचान बनाई है । इसी तरह समाज को संगठित करने के लिये उत्तर भारतीय स्वर्णकार विकास मंडल के संस्थापक/अध्यक्ष रामजीवन लाल सोनी ने मुंबई महानगर व उपनगरों में ठाणे , नवी मुंबई , कल्याण , भिवंडी आदि जगहों पर क्षेत्रीय कमेटी का गठन कर समाज को एकजुट करने के लिए सहयोगियों के साथ मिलकर अनेकों प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करते रहते हैं ।इसी तरह ठाणे जिला की क्षेत्रीय कमेटी द्वारा कलवा रेतीबंदर स्थित पारसिक नगर में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया जहां पर भजन मंडली द्वारा भजन का आनंद अतिथियों ने उठाया । इस अवसर पर मुंबई अध्यक्ष रामजीवन लाल सोनी के साथ हरिनाथ सेठ , मोहनलाल सेठ , ठाकुर प्रसाद सोनी , संतोष सोनी , प्रेमचंद सेठ , शैलेश सोनार , कमल सोनी , युवा अध्यक्ष मंगल सोनी , चंद्र प्रकाश सोनी , रवि शंकर सोनी , राजेश कुमार सोनी , राकेश वर्मा , हरि श्याम सोनार , रमेश सीताराम सोनी , राजेश सोनी , राजू सोनी , विनोद सोनी , विशाल सोनी , राजू सोनी , प्रदीप कुमार वर्मा , अनिल सेठ आदि गणमान्य लोग उपस्थित थे । वहीं कार्यक्रम को सफल बनाने में उत्तर भारती स्वर्णकार (सोनार) विकास मंडल क्षेत्रीय कमेटी ठाणे कलवा के अध्यक्ष रामशंकर सोनी , देवी प्रसाद सोनी , सुभाष सेठ , बड़े लाल सोनी , गोपाल सोनी , गिरीश सोनी , सुनील वर्मा , अजय सोनी आदि पदाधिकारियों का विशेष योगदान रहा है । इस अवसर पर भिवंडी क्षेत्रीय कमेटी से पूर्व अध्यक्ष पन्नालाल सोनी , पूर्व उपाध्यक्ष रामनारायण सोनी , जयनारायण सोनी , अरुण सोनी , गंगा प्रसाद सोनी , संतोष सोनी , राम सोनी , शिवराम सोनी , राजा सोनी , रामलाल सोनी , शिवम् सोनी , शिवकुमार सोनी , रमेश सोनी , शुभम सोनी , शिव शंकर सोनी , राजकुमार सोनी , संगम लाल बृजलाल सोनी , संतोष सोनी , अशोक सोनी , सोनी सुरेश वर्मा , आर डी वर्मा , कमलेश सोनी , सुशील सोनी , शैलेश सोनी , सुभाष चंद्र सोनी , मुकेश सोनी , सुरेंद्र सेठ , प्रकाश सोनी , अनूप सोनी , विनोद सोनी आदि आदि लोग उपस्थित रहकर कार्यक्रम को सफल बनाया ।

आचार्य पवन त्रिपाठी समेत 6 विभूतियां को राघवेंद्र सेवा मंच ने किया सम्मानित

वसई (उत्तरशक्ति)। हिंदुत्व और सनातन धर्म के प्रचार और प्रसार को लेकर 29 वर्षो से अनवरत समर्पित संस्था राघवेंद्र सेवा मंच द्वारा 23 मार्च 2025 को नालासोपारा पूर्व के अंबाबाड़ी स्थित डिवाइन हाई स्कूल में आयोजित 26 वें वार्षिक महोत्सव में 6 विभूतियों को राघवेंद्र धर्म शिरोमणि सम्मान से विभूषित किया गया। सम्मान पाने वाले लोगों में शिवसेना शिंदे गुट के राष्ट्रीय प्रवक्ता गुलाबचंद दुबे, प्रखर पत्रकार और यशोभूमि के संपादक श्रीनारायण तिवारी, हिंदी भाषी जनता परिषद के अध्यक्ष विश्वनाथ दुबे, श्री सिद्धिविनायक मंदिर ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष तथा भाजपा नेता आचार्य पवन त्रिपाठी और शिवसेना उत्तर भारतीय संगठन के मुंबई प्रमुख जयप्रकाश सिंह,का समावेश रहा, वसई विरार शहर महानगरपालिका के पूर्व उपमहापौर उमेश नाईक अस्वस्थ होने के कारण कार्यक्रम मे नही पहुच पाए उनका सम्मान चिन्ह पूर्व सभापति नीलेश देशमुख को दिया गया।

संस्था द्वारा सुबह 10 बजे से 2 बजे तक मेडिकल चेकअप, 10 बजे से सुंदरकांड पाठ दोपहर 2 बजे महा आरती शाम 5:30 बजे से भजन संध्या 7:30 बजे से अतिथि सत्कार तथा 9 बजे से महाप्रसाद का आयोजन किया गया । समारोह की अध्यक्षता भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रेम शुक्ला किए। मुख्य अतिथि के रूप में महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री तथा पूर्व सांसद रमेश दुबे, नालासोपारा विधानसभा के विधायक राजन नाईक, उत्तर भारतीय महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष तथा राष्ट्रीय युवा पुरस्कार विजेता डॉ योगेश दुबे, भारतीय सदविचार मंच के संस्थापक व मुख्य मार्ग दर्शक डॉ राधेश्याम तिवारी,वसई विरार शहर महानगरपालिका के पूर्व महापौर रूपेश जाधव उपस्थित रहे।

विशेष अतिथि के रूप में ,वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक-थाना तुलिंज विजय जाधव,अध्यक्ष-उत्तर भारतीय संघ युवा मोर्चा संजय सिंह, शिवसेना नेता व वरिष्ठ समाजसेवी नवीन दुबे, पूर्व सभापति-वसई विरार शहर मनपा भरत मकवाना,पूर्व सभापति-वसई विरार शहर मनपा नीलेश देशमुख,पूर्व सभापति-वसई विरार शहर मनपा श्रीमती सरिता प्रमोद दुबे,जनरल सेक्रेट्री-फिल्म स्टूडियो अलाइड मजदूर यूनियन गंगेश्वर लाल श्रीवास्तव,राष्ट्रीय अध्यक्ष-ब्राह्मण सेना मनीष जोशी, ,श्रीमती प्रीति उपाध्याय, आरटीआई एक्टिविस्ट अनिल गलगली उपस्थित रहें। सम्मानित अतिथियों में भाजपा नेता जे पी सिंह,भवन निमार्ता आशीष मिश्रा, पूर्व नगरसेवक सचिन देसाई, भाजपा जिला सचिव अमित दुबे, राष्ट्रीय संघटक- शिवसेना अशोक तिवारी,नरेंद्र पाठक, सभाजीत मिश्रा,अध्यक्ष-भारतीय सदविचार मंच डॉ शिव श्याम तिवारी, के डी शर्मा, मनीष दुबे, प्रभात सिंह (बबलू) उपस्थित रहें। अंत में राघवेंद्र सेवा मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार मिश्रा ने सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया।

बॉलीवुड निर्देशक अनुराग कश्यप ने नई महिंद्रा EV 9e खरीदी

मुंबई (उत्तरशक्ति)। प्रसिद्ध बॉलीवुड निर्देशक अनुराग कश्यप अपनी नई महिंद्रा एश 9ी के साथ एक रोमांचक नई यात्रा पर निकले हैं। उन्होंने हाल ही में महिंद्रा मोदी, ठाणे में महिंद्रा के नवाचार, शक्ति और शैली का प्रतीक महिंद्रा एश 9ी की डिलीवरी ली। औपचारिक हस्तांतरण का कार्य महिंद्रा मोदी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री अजीत पई और महिंद्रा मोदी के उपाध्यक्ष श्री कैलाश जोशी ने किया, जिन्होंने व्यक्तिगत रूप से श्री कश्यप को चाबियां सौंपी। शक्ति, सुंदरता और अत्याधुनिक इंजीनियरिंग का संयोजन करते हुए, एश 9ी एक रोमांचकारी सवारी प्रदान करती है, जो हर यात्रा को स्टाइल और प्रदर्शन के एक साहसिक बयान में बदल देती है।

सामाजिक न्याय विभाग और पुलिस की मध्यस्थता से सफाई कामगारों ने आक्रोश मोर्चा वापस लिया

मुंबई (उत्तरशक्ति)। सोमवार 24 मार्च को अपनी विभिन्न मांगों को लेकर सफाई कामगारों द्वारा मुम्बई के आजाद मैदान में अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोविंद भाई परमार के नेतृत्व में आक्रोश मोर्चा निकालने की तैयारी की गई थी लेकिन प्रमुख सचिव सामाजिक न्याय विभाग और पुलिस की मध्यस्थता से के साथ सफाई कामगारों ने अपना मोर्चा वापस ले लिया। बता दें कि सफाई कामगारों की निम्न मांगे हैं जिसमें प्रमुख रूप से

225 वर्ग फीट का मकान देने के लिए जारी परिपत्र तत्काल निरस्त किया जाए और 450 वर्ग फीट का मकान मुफ्त में दिया जाए

इसके अलावा सर्वोच्च न्यायालय द्वारा 1995 में तथा

महाराष्ट्र सरकार द्वारा 1998 से 1999 तक विधान सभा में पारित आदेशों के अनुसार सफाई कार्य एक आवश्यक सेवा होने के कारण उक्त सफाई कार्य में ठेकेदारी प्रथा बंद की जाये।

इसके साथ ही मनपा अस्पताल एवं अन्य सरकारी विभागों में सफाई कर्मचारियों की भर्ती की जाये।

सफाईकर्मियों के जाति प्रमाण पत्र के लिए 9 सितम्बर 2004 के शासन निर्णय के अनुसार 1960 के निवास प्रमाण पत्र के आधार पर जाति प्रमाण पत्र जारी करने के शासनादेश को तत्काल हटाया जाये।

मनपा द्वारा वर्ष 1992 से वर्ष 2007 तक दैनिक वेतन पर 240 दिन पूरे कर चुके सफाई कर्मचारियों को उनका बकाया व अन्य लाभ दिया जाए।

हाउसिंग सोसायटी/निजी भवनों और कारखानों में काम करने वाले असंगठित सफाई कर्मचारियों के लिए महर्षि वाल्मिकी सुदर्शन सफाई कामगार असंगठित कल्याण बोर्ड के गठन की मांग की गई है।

इस बारे में प्रमुख सचिव सामाजिक न्याय विभाग से संतोषजनक चर्चा हुई। और उनके आश्वासन पर 24 मार्च को आयोजित किए गए मोर्चे को रद्द किया गया।. इस दौरान आजाद मैदान के सभी वरिष्ठ पुलिस अधिकारी एवं प्रमुख सचिव सामाजिक न्याय विभाग के अलावा मकवाना, रवि गवली, राजेशभाई टाकेकर, रघुनाथ जाधव, एस लीना डिसूजा, सुनील पवार और रितिक कांबले मौजूद थे।

नवीन गवली के जन्मदिन पर वृद्धाश्रम में वृद्ध नागरिकों को अन्नदान

कल्याण (उत्तरशक्ति)। शिवसेना के उपशहर प्रमुख व गावदेवी मेट्रो मॉल प्रभाग के भूतपूर्व नगरसेवक नवीन गवली का जन्मदिन समाजसेवा के माध्यम से मनाया गया। नवीन गवली के जन्मदिन पर वृद्धाश्रम में वृद्ध नागरिकों को अन्नदान किया गया और निःशुल्क स्वास्थ्य चिकित्सा शिविर का आयोजन हुआ। नवीन गवली की माताजी और उनके कार्यकताओं ने चक्की नाका के न्यू रचना पार्क स्थित डीएमसीटी हॉस्पिटल व वृद्धाश्रम में जाकर अन्न दान किया। नवीन गवली की माताजी ने स्वयं अपने हाथों ने बुजुर्ग महिला और पुरुषों को खाने की प्लेट परोसी। इस मौके पर वृद्ध नागरिकों ने नवीन गवली को उनके जन्मदिन पर ढेर सारा आशीर्वाद और प्यार दिया। वहीं आश्रम व हॉस्पिटल के संचालक

डॉ.रविंद्र जाधव ने कहा कि 15 साल पहले नवीन गवली के हाथों से आश्रम का उदघाटन हुआ था। तब से लेकर निरंतर गवली परिवार का सहयोग इस आश्रम को प्राप्त है। जन्मदिन पर की गई समाजसेवा के लिए डॉ.जाधव ने गवली परिवार का आभार प्रकट किया और उन्हें जन्मदिन की बधाई दी। इसी तरह चेतना स्थित वर्टेक्स हॉस्पिटल के बाहर निःशुल्क स्वास्थ्य चिकित्सा शिविर का आयोजन भी हुआ,जिसमें वर्टेक्स अस्पताल के डॉक्टरों ने मरीजों की जांच कर उन्हें दवाइयां दी। इस मौके रेखा राजू उजगरे, वंदना भालेराव, रुखसाना मोकाशी, हेमा भोसले, मालन नदाफ, सुभाष गायकवाड़, राजू उजगरे, नवनाथ बर्वे, यूनुस शेख, संदीप चौगुले, नीलेश कुंभार, अरुण जाधव, अन्नू डोंगरे, मिलिंद गवली, भागेश गवली आदि तमाम लोग मौजूद थे।

हिंदी सामाजिक संस्था की ऐतिहासिक फूलों की होली संपन्न, हजारों की संख्या में उमड़ा जनसैलाब

मुंबई (उत्तरशक्ति)। हिंदी सामाजिक संस्था (रजि.) द्वारा आयोजित ‘फूलों की होली’ का भव्य और ऐतिहासिक आयोजन शानदार सफलता के साथ संपन्न हुआ। हजारों की संख्या में हिंदी भाषी समाज के लोगों ने इसमें भाग लिया और इस सांस्कृतिक आयोजन को यादगार बना दिया। फूलों की वर्षा, भक्तिमय भजनों की गूंज, रंगारंग प्रस्तुतियां और उल्लास से भरी होली—इस आयोजन ने सबका मन मोह लिया। जब फूलों की बौछार हुई, तो पूरा वातावरण भक्तिरस में डूब गया।

संस्था के अध्यक्ष अविनाश पांडेय ने कहा, “होली हमारे लिए सिर्फ फूलों की होली व रंगों का त्योहार नहीं, बल्कि समाज को जोड़ने और एकता का संदेश देने का अवसर है। यह आयोजन हमारी संस्कृति और परंपराओं को जीवंत रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।” आगे भी ऐसे कार्यक्रम के माध्यम से समाज को जोड़ने का कार्य हम करते रहेंगे । इस अवसर पर अनेक गणमान्य अतिथियों का स्वागत किया गया, जिनमें सिद्धिविनायक ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष

आचार्य पवन त्रिपाठी, कांग्रेस प्रवक्ता राकेश शेट्टी, पूर्व एमएलसी चरण सिंह सप्रा, पूर्व नगरसेवक बीके तिवारी, रेलवे पुलिस इंस्पेक्टर राय जी, समाजसेवी पंकज मिश्रा, शिवसेना के सचिन चौबे, समाजसेवी राजेश पांडेय, हिंदी सामना के संपादक अनिल तिवारी, बिरजू मूंदड़ा,हिंदी पत्रकार संघ के अध्यक्ष आदित्य दुबे, कल्पनाथ गिरी,मंगला शुक्ला,अनिल गलगली, आशीष दुबे,सुनील जैन, वरिष्ठ पत्रकार विमल मिश्रा, समाजसेवी एवं व्यवसायी सहित कई प्रमुख हस्तियां शामिल थीं। सभी सदस्यों ने निभाई महत्वपूर्ण भूमिका इस कार्यक्रम को सफल बनाने में आयोजन समिति सभी पदाधिकारियों की अहम भूमिका रही। प्रमुख पदाधिकारियों में संतोष तिवारी, एड. संतोष दुबे, विजय सिंह, अनिल शुक्ला, दयाशंकर सिंह,मनीष तिवारी, आर.डी. यादव, डॉ. बाबूलाल सिंह, दयाशंकर सिंह, मनीष पाठक, संजय शर्मा, अमित पाल, सौरभ गुप्ता, अखिलेश सिंहआदि शामिल रहे। महिला विंग से कविता सिंह, बबिता गुप्ता सहित अन्य महिलाओं ने भी सराहनीय योगदान दिया।

मुंबई पटवा युवा सेवा संस्था द्वारा भव्य हेल्थ चेकअप कैंप का आयोजन

पालघर(उत्तरशक्ति)। समाज सेवा और जनकल्याण की भावना को आगे बढ़ाते हुए मुंबई पटवा युवा सेवा संस्था (रजि0) द्वारा पालघर जिले के विरार क्षेत्र अंतर्गत स्थित मनवेल पाडा में रविवार 23 मार्च 2025 को हेल्थ चेकअप कैंप का आयोजन किया गया। इस शिविर में दांतों की जांच, ब्लड डोनेशन, शुगर, बीपी और जनरल हेल्थ चेकअप जैसी सुविधाएं आम जनता के लिए निःशुल्क उपलब्ध कराई गईं। संस्था ने आए हुए सभी अतिथियों का भगवा वस्त्र व पुष्पगुच्छ से भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर युवा सर्व सनातन चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं संस्थापक जयकुमार पटवा ने अपने विचार व्यक्त करते हुए समाज में धर्म व संस्कारों की मजबूती पर जोर दिया। उन्होंने नशा मुक्त समाज, शाकाहार और दहेज प्रथा समाप्त करने की अपील की,

जिससे समाज और धर्म को मजबूती मिले। इसआयोजन को सफल बनाने में पटवा समाज के पदाधिकारियों में संजय पटवा, अशोक पटवा, सुनील पटवा, संतोष पटवा, पन्नालाल पटवा, सुरेश पटवा व महिला मंडल का महत्वपूर्ण सहयोग रहा।

बड़े हर्षोल्लास व उत्साह के साथ रामंदिर में मनाया गया यदुवंशी समाज सेवा संस्था द्वारा होली मिलन समारोह

आचार्य सूरजपाल यादव

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुंबई के राममंदिर क्षेत्र के बुधिया चाल स्थित यदुवंशी समाज सेवा संस्था द्वारा होली मिलन समारोह व उत्तर भारतीय व्यंजन बाटी चोखा का आयोजन सभाजीत यदुवंशी द्वारा बडे उत्साह के साथ किया गया । बतादें कि यदुवंशी समाज सेवा संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष शशिकांत बलीराम यादव के मार्गदर्शन पर संस्था के राष्ट्रीय महासचिव सभाजीत यदुवंशी , राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष जयसरोज यादव , राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष विवेक यादव , राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रवीन्द्रनाथ यादव , शिक्षा समिति अध्यक्ष सभाजीत सांचू यादव , राष्ट्रीय सचिव आचार्य सूरजपाल यादव , राष्ट्रीय उपाध्यक्ष झुल्लुर यादव , पूर्व कोषाध्यक्ष लालमनी यादव आदि की उपस्थिति में कार्यक्रम को संपन्न किया गया । कार्यक्रम में विशेष सलाहकारों में नगरसेवक कमलेश यादव , लालबहादुर यादव (लल्लन) , डा. के एस यादव , सुभाष यादव , कृष्णकुमार यादव , डा.आर एन यादव , रिटायर्ड कस्टम अधिकारी एम पी

यादव , आर सी यादव , भाजपा नेता द्विवेश यादव , भवन निमार्ता जनार्दन यादव , आर डी यादव , डा. राम बली यादव , मनराज यादव , श्याम सुंदर यादव , सत्यनारायण यादव , अवधु यादव , वीरेन्द्र यादव , बिरजा यादव , प्रदीप यादव , फूलचंद्र यादव , गंगादीन यादव , रामसेवक यादव , धर्मराज यादव , गामाप्रसाद यादव , गजराज यादव , शैलेन्द्र यादव , रामदुलार यादव , लालजी यादव , गुलाब यादव , भोला यादव आदि गणमान्य लोगों के साथ यादव समाज ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष एस बी यादव के अलावा पत्रकारों में एस आर यादव , कन्हैयालाल यादव , परवेश यादव आदि लोगों ने उत्तर भारतीय व्यंजन बाटी चोखा का आनंद लिया । कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं ने अपने अपने विचारों से समाज का मार्गदर्शन किया वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता शिवसेना नेता अजय यदुवंशम ने कहा कि आपसी मतभेद को बंद कमरे में सुलझाया जा सकता है न कि समाज की सभाओं में समाज को दिशा देने के लिये मिलना जुलना जरुरी है। वहीं कार्यक्रम में वेस्टर्न झोन के अध्यक्ष संतोष यादव के साथ शिव शंकर यादव , महाजन यादव ,, सुरेश यादव , अंगनू यादव व स्थानीय टीम का विशेष योगदान रहा है ।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, विश्व समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

घर से बुलाकर ले गए दोस्त, फिर मिली बबूल पर लटकती लाश

रियाजुल हक

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जिले के पंवारा थाना क्षेत्र के गौहानी गांव में बबूल के पेड़ से लटकती 18 वर्षीय युवक की लाश मिलने से हड़कंप मच गया है। युवक की मौत कैसे हुई, यह स्पष्ट नहीं हो पाया है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इसके साथ ही एक व्यक्ति को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। दोपहर में घर से बुलाकर ले गए थे कुछ लड़के।

बताते हैं कि पंवारा थाना क्षेत्र के खड़ारी ग्रामसभा में रूस्तम अली का 18 वर्षीय पुत्र दिलशाद शटरिंग का काम करता है। रविवार की दोपहर लगभग 12 से 2 बजे के बीच में दिलशाद मां के साथ घर पर था। इसी दौरान गांव के कुछ लड़के आए और दिलशाद को बुलाकर ले गए। शाम को परिजनों ने फोन लगाया लेकिन फोन नहीं उठ सका। इस पर भी परिजन बेफिक्र ही रहे। सोमवार की सुबह उसके घर से 500 मीटर की दूरी पर मुस्लिम बस्ती में दिलशाद की लाश बबूल के पेड़ से लटकती हुई मिली। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि उसकी जीभ बाहर थी और पेड़ से कुछ दूरी पर उसकी चप्पल पड़ी हुई थी। वहीं कुछ लोगों का यह भी कहना है कि पास में एक चाकू भी मिला है, हालांकि इसकी पुष्टि नहीं हो पायी है। इसकी सूचना जब परिजनों को हुई तो घर में कोहराम मच गया। भागे-भागे परिजन मौके पर पहुंचे तो उन पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। बताया जा रहा है कि पुलिस ने एक व्यक्ति को हिरासत में लेकर उससे पूछताछ कर रही है।परिवार को क्या पता कि अब कभी नहीं आएगा बेटा दोपहर में जब मां के साथ दिलशाद घर में था तो कुछ लड़के उसे बुलाकर ले गए। वह अपनी अम्मी से कहकर निकला कि मैं अभी आता हूं लेकिन अम्मी को क्या पता था कि वह अब कभी लौटकर नहीं आएगा। समय बीतता गया और जब वह रात को घर नहीं लौटा तो परिजनों ने उसके मोबाइल पर फोन किया लेकिन उसका फोन नहीं उठा। इसके बाद परिजनों ने नॉर्मल बात समझकर रात गुजार दी। जब सुबह घर से महज 500 मीटर की दूरी पर बबूल के पेड़ पर उसकी लटकती लाश मिली तो अम्मी-अब्बू के पैरो तले जमीन खिसक गई। उन्हें जरा भी अंदाजा नहीं था कि उनके बेटे के साथ यह क्या हो गया।अम्मी का रो-रोकर बुरा हाल है।रूस्तम का छोटा बेटा था दिलशाद सुबह जब पेड़ पर लटकती हुई लाश मिली तो भारी संख्या में स्थानीय लोगों की भीड़ मौके पर जुट गई। रियाजुल से बातचीत में दिलशाद के पिता ने बताया कि दिलशाद छोटा बेटा था। बड़ा बेटा मिरशाद मुंबई में रहता है। हमारे दो बेटे ही है। घटना से परिवार में कोहराम मच गया है। इधर सूचना पर कई थानों की पुलिस फोर्स मौके पर पहुंच गई। फिलहाल पुलिस हर पहलू पर जांच कर रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

मोबाइल ने आम आदमी को दुनिया से जोड़ाः डॉ.धनंजय चोपड़ा

◆ मोजो कार्यशाला ज्ञान प्रदान करने की पहलः प्रो.वंदना सिंह

◆ पीयू में 'मोजो, मीडिया लेखन एवं फोटोग्राफी' कार्यशाला का शुभारंभ

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग द्वारा आयोजित पांच दिवसीय 'मोजो मीडिया लेखन एवं फोटोग्राफी' विषयक कार्यशाला का उद्घाटन सोमवार को आर्यभट्ट सभागार में किया गया। यह कार्यशाला पंजाब नेशनल बैंक के सहयोग से किया जा रहा है।

मुख्य अतिथि इलाहाबाद विश्वविद्यालय प्रयागराज के सेंटर आफ मीडिया स्टडीज के समन्वयक डॉ. धनंजय चोपड़ा ने मोजो (मोबाइल जर्नलिज्म) की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वर्तमान डिजिटल युग में पत्रकारिता का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। अब मोबाइल ही एक संपूर्ण न्यूजरूम बन गया है, जिसमें लेखन, वीडियो निर्माण और फोटोग्राफी का विशेष योगदान है। आज मोबाइल ने आम आदमी को दुनिया से जोड़ दिया है। उन्होंने विद्यार्थियों को इस तकनीक में दक्ष बनने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि बदलती हुई दुनिया में सबके निशाने पर मीडिया ही है। 1995 से लेकर 2025 तक के टेक्नालाजी के बदलाव और मीडिया की स्थिति पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि अब हर किसी के पास शब्द का अभाव हो रहा है। मोबाइल ने सारी दुनिया को मुट्ठी में कर लिया है। उन्होंने कहा कि नवाचार का युग आ गया है जो पढ़ेगा वहीं बढ़ेगा, वहीं रचेगा, वहीं टिकेगा। उन्होंने विद्यार्थियों को किताब के साथ समाज, सिनेमा और देश में बदलाव को भी पढ़ने ओर समझने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि संवेदनाओं के साथ टेक्नालॉजी का उपयोग करें। विशिष्ट अतिथि पीएनबी के राजभाषा अधिकारी सुशांत शर्मा ने विषय प्रवर्तन करते हुए कहा कि मोबाइल जितना सशक्त है हमें उससे उतना सतर्क भी रहने की भी जरूरत है। उनका मानना है कि हर युग में गलत, सही का निर्णय करने वाली एक संस्था होती है। इस युग में उस संस्था के रूप में मीडिया लोकतंत्र के चौथे स्तम्भ के रूप में कार्य कर रही है। उन्होंने मोबाइल का उपयोग दायित्व और आत्मबोधन के रूप करने की सलाह दी। कारण एक गलत, सनसनी मेसेज भूचाल ला सकता है।

अध्यक्षता कर रही कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने कहा कि 'मोजो मीडिया लेखन एवं फोटोग्राफी' कार्यशाला विद्यार्थियों को व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल है। कुलपति ने छात्रों को सलाह दी कि सोशल मीडिया पर कोई भी कंटेंट पोस्ट और फार्वड करने से पहले उसके सत्यता की जांच कर लें। आयोजन समन्वयक एवं विभागाध्यक्ष प्रो. मनोज मिश्र ने अतिथियों का स्वागत किया। कहा कि आज के समय में मीडिया का स्वरूप बहुआयामी हो गया है, जहां पारंपरिक पत्रकारिता के साथ-साथ डिजिटल मीडिया का प्रभाव भी बढ़ा है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि पत्रकारिता में न केवल तकनीकी कौशल बल्कि नैतिकता और सत्यनिष्ठा का भी विशेष महत्व है। इसी को लेकर यह कार्यशाला आयोजित की गई है। कुलसचिव महेंद्र कुमार और परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनोद सिंह ने कार्यशाला के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ।

कार्यक्रम का संचालन डा दिग्विजय सिंह राठौर और धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सुनील कुमार ने किया। उद्घाटन सत्र के बाद पहले दिन विशेषज्ञों द्वारा ह्यमोजो के विविध आयाम पर व्याख्यान दिया गया। इस अवसर पर प्रो.सौरभ पाल, प्रो.अजय प्रताप सिंह, प्रो.अजय द्विवेदी, प्रो.प्रमोद यादव, प्रो.बीडी शर्मा, डॉ.रसिकेश, डॉ.अमरेंद्र सिंह, डॉ.जाह्नवी श्रीवास्तव, डॉ.चंदन सिंह, कर्मचारी संघ के अध्यक्ष नंद किशोर सिंह, डॉ.सोनम झॉ. डॉ.प्रियंका जायसवाल, डॉ.अमित मिश्र, डॉ.सुरेंद्र यादव, डॉ.मुनींद्र सिंह, डॉ.सुधाकर शुक्ला, डॉ.विकास चौरसिया, अजय मौर्य आदि उपस्थित थे।

काशी के गंगा घाट पर 2 युवकों की डूबकर हुई मौत

डॉ.एस.के.मिश्र, वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के अस्सी घाट पर घूमने आए हरियाणा से चार दोस्त नाव लेकर नहाने उस पार गए और नहाने के दौरान गहरे पानी में चले जाने से दो युवक डूबने गए। लोगों की सूचना पर मौके पर एनडीआरएफ की टीम पहुंची और काफी मशक्कत के बाद दोनों शव को बाहर निकाला। प्राप्त जानकारी के अनुसार हरियाणा के फरीदाबाद के बल्लभगढ़ से चार दोस्त बाबा विश्वनाथ का दर्शन करने पहुंचे थे।दर्शन करने के पहले नाव लेकर नहाने के लिए उस पार चले गए और नहाने के दौरान दो युवक डूब गए। डूबे हुए युवक की पहचान फरीदाबाद बल्लभगढ़ निवासी (22) वर्षीय अनुराग, (23) वर्षीय एस शर्मा बताया जा रहा है। जल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर परिवार वालों को सूचना दी।

शराब पीकर पुलिया पर बैठे युवक की नहर में गिरने से मौत

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के इटौरी बाजार में नहर पुलिया पर बैठा युवक रविवार दोपहर 12 बजे नहर में गिर गया जिससे उसकी मौत हो गई। सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। बताते हैं कि इटौरी बाजार में शारदा सहायक खंड-36 नहर की पुलिया पर रविवार दोपहर 12 बजे हड़ही गांव निवासी 38 वर्षीय युवक हीरालाल बिंद शराब के नशे में बैठा था। अचानक नहर में गिर गया और घायल हो गया। बाजारवासियों ने सूचना परिजनों को दी। काफी संख्या में ग्रामीण और परिजन घटनास्थल पर पहुंच गये और घायल युवक को एक निजी चिकित्सक के पास ले गये जहां चिकित्सक ने देखते ही मृत घोषित कर दिया। मृत्यु की सूचना लगते ही परिजनों में कोहराम मच गया और परिजन बिना पुलिस को सूचना दिये। शव को लेकर घर चले गये पत्नी शकुंतला देवी समेत परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। सूचना लगते ही जगदीश बिंद समेत क्षेत्र के लोगों ने पैतृक आवास पर पहुंचकर परिजनों को संतावना देते हुए शोक संवेदना प्रकट किया।

सड़क किनारे खड़े डंपर से बाइक टकराई, छात्र सहित दो की मौत, एक की हालत गंभीर

मनेछा बाजार में हुआ दर्दनाक हादसा, पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा

खेतासराय, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जौनपुर के शाहगंज मार्ग पर स्थित मनेछा बाजार में रविवार देर रात हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गई, जबकि तीसरा युवक गंभीर रूप से घायल है। हादसा उस वक्त हुआ जब तेज रफ्तार बाइक सड़क किनारे खड़े डंपर से टकरा गई।

बर्थडे पार्टी से लौट रहे थे तीनों युवकः जानकारी के मुताबिक, खेतासराय थाना क्षेत्र के नौली गांव निवासी तीन युवक रविवार रात एक ही बाइक पर सवार होकर बर्थडे पार्टी में शामिल होने के लिए निकले थे। रात करीब 10:30 बजे जब वे मनेछा बाजार में एक रेस्टोरेंट के पास पहुंचे, तो सड़क किनारे खड़े एक डंपर से उनकी बाइक टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि तीनों युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचित किया।संतोष और उज्ज्वल की मौके पर मौत, अनुराग गंभीर पुलिस और ग्रामीणों की मदद से घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) सोंधी पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने संतोष (28) पुत्र ललसू और उज्ज्वल (16) पुत्र रतिलाल को मृत घोषित कर दिया। वहीं, अनुराग (14) पुत्र राजेंद्र की गंभीर हालत को देखते हुए उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

अनुराग का इलाज एक निजी अस्पताल में जारी है, जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है।घर में पसरा मातम, पत्नी और परिवार का रो-रोकर बुरा हाल मृतक संतोष नौली गांव का रहने वाला था और पेशे से पेंटर था। वह दो भाई और तीन बहनों में तीसरे नंबर पर था। सोमवार को उसे दिल्ली अपने काम पर जाना था, लेकिन उससे पहले ही यह हादसा हो गया। उसकी मौत की खबर सुनते ही उसकी पत्नी वंदना (25) और दो साल की बेटी माएरा बेसुध हैं। दूसरा मृतक उज्ज्वल सर्वोदय इंटर कॉलेज खुदौली में कक्षा 10 का छात्र था। इसी साल उसने बोर्ड परीक्षा दी थी। तीन भाइयों में वह दूसरे नंबर पर था। उसकी मौत से परिवार सदमे में है।

थानाध्यक्ष रामाश्रय राय ने बताया कि दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। वहीं, अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

सवालों के घेरे में खड़े डंपरः इस हादसे ने सड़क किनारे खड़े भारी वाहनों को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। अक्सर ऐसे हादसे सामने आते हैं, जहां लापरवाही से खड़े किए गए ट्रक और डंपर हादसों की वजह बनते हैं। प्रशासन को इस ओर सख्त कदम उठाने की जरूरत है ताकि इस तरह की दुर्घटनाओं को रोका जा सके।

वाराणसी पहुंचे स्वामी रामभद्राचार्य

◆ **500 छात्रों के मंत्रोच्चार से गूंजा संस्कृत संकाय**

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के काशी हिन्दू विश्वविद्यालय स्थित संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय के सभागार में एक अखिल भारतीय व्याकरण प्रबोध कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में वक्ता के रूप में जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य जी पहुंचे। उनका काशी के धरती पर हर हर महादेव जय श्री राम के उद्घोष के साथ स्वागत किया गया। सभागार में पहुंचने के बाद उनका स्वागत माल्यार्पण से किया गया। इसके बाद स्वास्तीवाचन से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इसके बाद जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने पत्रकारों से वार्ता करते हुए कहा कि किसी मां के लाल ने शुद्ध दूध पिया हो तो आकर मुझसे मनुस्मृति पर चर्चा करे। साथ ही उन्होंने हरियाणा में ब्राह्मण हमले को लेकर कहा कि इसका उचित दंड मिलेगा। बीएचयू के व्याकरण विभाग में कार्यशाला का उद्घाटन करने पहुंचे तुलसी पीठाधीश्वर जगद्गुरु रामभद्राचार्य मीडिया से बातचीत में मुगलों और मनुस्मृति पर हमला करने वालों पर जमकर बरसे।

स्वामी रामभद्राचार्य ने एक सवाल के जवाब में कहा कि किसी मां के लाल ने शुद्ध दूध पिया हो तो मनुस्मृति पर मुझसे आकर चर्चा करे, इसका एक भी अक्षर राष्ट्र विरोधी नहीं है। मैंने महाकुंभ में 30 दिन तक मनुस्मृति पर ही व्याख्यान दिया है। वहीं हरियाणा में यज्ञ के दौरान ब्राह्मणों पर हमले के सवाल पर कहा कि हमलावरों को उचित दंड मिलेगा। इसके अलावा उन्होंने कहा कि हम ज्ञानवापी लेकर रहेंगे। यहां पर मुगलों के नाम से जितने भी स्थान है सबके नाम बदले जाएंगे।

अग्नि पीड़ित से मिलकर पूर्वांचल पसमांदा समाज के प्रमुख ने पहुंचाई आर्थिक मदद

शाहगंज(जौनपुर)। तहसील क्षेत्र के सरपतहां थाना के ग्राम रुधौली निवासी शमशेर अली शाह पुत्र नूर अली शाह के मकान में बीते मंगलवार को अज्ञात कारणों से आग लग गयी थी।जिसमे घर ग्रहस्ती सहित लाखों के सामान जलकर राख हो गए। अग्नि पीड़ित का आग में सब कुछ स्वाहा हो गया।जिसकी जानकारी होने पूर्वांचल पसमांदा के प्रमुख डाक्टर आरिफ नदीम मंसूरी और यूथ विंग के अध्यक्ष शहजाद मंसूरी ने मामले को तत्काल संज्ञान में लेते हुए रविवार को पीड़ित के घर पहुंच कर ढाढ़स बधाते हुए आर्थिक मदद की।और पीड़ित परिवार को भरोसा दिया की दोबारा घर ग्रहस्ती बनाने में जो भी जरूरत होगी उसे पूरा कर करने का प्रयास किया जाएगा।

खेतासराय पुलिस ने एक आरोपी को देशी तमंचा व कारतूस के साथ किया गिरफ्तार

खेतासराय,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक जौनपुर द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे। अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक नगर जौनपुर के दिशा निर्देशन एंव क्षेत्राधिकारी शाहगंज के पर्यवेक्षण में थाना खेतासराय पुलिस टीम द्वारा थानाध्यक्ष खेतासराय के नेतृत्व में उ0नि0 अनिल कुमार पाठक मय पुलिस टीम द्वारा ग्राम गोरारी खालीलपुर के पास से मुखबिर की सूचना पर आरोपी मजहरुद्दीन पुत्र निहालुद्दीन निवासी सैदगोरारी थाना खेतासराय जनपद जौनपुर को समय करीब 08.28 बजे एक देशी कट्टा .315 बोर व 01 कारतसू .315 बोर के साथ गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 62/25 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट पंजीकृत किया गया। आवश्यक विधिक कार्यवाही करते हुए आरोपी को न्यायालय भेजा गया।

ज्ञाना इण्टरनेशनल प्ले स्कूल में पुरस्कार वितरण कार्यक्रम आयोजित

◆ **वेदा स्टूडेण्ट ऑफ द ईयर से पुरस्कृत**

शाहगंज(जौनपुर)। स्थानीय नगर में स्थित ज्ञाना इंटरनेशनल प्ले स्कूल में अंक पत्र एवं पुरस्कार वितरण कार्यक्रम हुआ जहां मुख्य अतिथि डा रुचि मिश्रा ने अपने विचार व्यक्त करते हुए स्कूल की प्रशंसा किया कहा कि स्कूल में बच्चों के सर्वांगीण विकास पर विशेष ध्यान दिया जाता है। एक्स्ट्रा एक्टिविटीज और खेलकूद के माध्यम से बच्चों को पढ़ाया व सिखाया जाता है।इसके पहले प्रधानाचार्य डा अनामिका मिश्रा ने अतिथियों और अभिभावकों का स्वागत किया। कार्यक्रम में अपनी कक्षाओं में अव्वल आने वाले बच्चों को शील्ड, मेडल व सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया। साथ ही स्कूल में पूर्व में आयोजित विभिन्न कार्यकमों के विजेताओं को ट्रॉफी और सर्टिफिकेट एवं सभी प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया। ज्ञाना सीनियर की छात्रा वेदा नाग को उनके समग्र बेहतर प्रदर्शन के लिए स्टूडेंट ऑफ द ईयर का पुरस्कार दिया गया।कार्यक्रम में प्रबंधक डा राजकुमार मिश्र एवं डा सुधाकर मिश्र ने अपने वक्तव्य में बच्चों का उत्साहवर्धन किया। अन्त में निदेशक दिवाकर मिश्र ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन सिमरन अग्रहरि ने किया। इस अवसर पर स्कूल स्टाफ ज्योति, रागिनी, मुस्कान, मंजू, अजय, रतन सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला शांति समिति की हुई बैठक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला शांति समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि आगामी चैत्र नवरात्रि और ईद के दृष्टिगत सभी आवश्यक तैयारिया समय से पूर्ण कर ली जाए। उन्होंने नगर क्षेत्र के लिए ईओ और ग्रामीण क्षेत्र के लिए डीपीआरओ को निर्देशित किया कि ईदगाह पर साफ-सफाई एन्टी लार्वा का छिड़काव कराना सुनिश्चित करें। ईदगाह जौनपुर के सामने लगे खम्भे को तत्काल ठीक करने के निर्देश एक्सईएन विद्युत को दिये। जिलाधिकारी ने निर्देश देते हुए कहा कि जनपद में कोई नयी परम्परा शुरू नही की जाएगी।चैत्र नवरात्रि के दृष्टिगत शीतला चौकियां धाम में अत्यधिक भीड़ जुटने की सम्भावना को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था, यातयात व्यवस्था, पर्याप्त संख्या में महिला पुलिस की ड्यूटी लगाये जाने सहित अन्य आवश्यक तैयारिया सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। उन्होंने नगर मजिस्ट्रेट, सीओ सिटी और ईओ को निर्देशित किया कि सम्बन्धित के साथ बैठक कर मॉ शीतला चौकियां धाम में पर्किग रेट तय करे। जिससे श्रद्धालुओं को समस्या का सामना न करना पडे.। जिलाधिकारी ने एक्सईएन विद्युत को मां शीतला चौकिया धाम में जर्जर तारो को तत्काल बदलवाने के निर्देश दिये। पुलिस अधीक्षक डा0 कौस्तुभ ने कहा कि पूर्व की भाति इस बार भी त्यौहारों को शाति पूर्ण ढंग सम्पन्न कराया जाएगा, जिसके लिए पुलिस विभाग पूरी तरह से तैयार है। उन्होंने निर्देश दिया कि जनपद में शासन के द्वारा लाउडस्पीकर के सम्बन्ध में दिये गये निर्देशों का शत-प्रतिशत पालन करना सुनिश्चित करें। उन्होंने स्पष्ट रूप से निर्देशित किया कि जनपद में सड़क पर नमाज नही पढ़ी जाएगी और रास्ता अवरूद्ध कर किसी के भी द्वारा धार्मिक आयोजन नही किए जाएगे। इस अवसर पर नगर पालिका/नगर पंचायत के चेयरमैन जिला शांति समिति के सदस्यगण, अपर जिलाधिकरी वित्त एवं राजस्व रामअक्षयवर चौहान, अपर पुलिस अधीक्षक अजय अम्बष्ट, अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण शैलेन्द्र सिंह, मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 लक्ष्मी सिंह सहित अन्य उपस्थित रहे।

दुर्गेश सिंह का निधन संपूर्ण समाज के लिए अपूरणीय क्षतिः वीरेंद्र सिंह "वत्स"

◆ विधायक के भाई के निधन पर शोक संवेदना प्रकट करने वालों का सिलसिला जारी

◆ श्रद्धांजलि देने पहुंचे खेल मंत्री गिरीश चंद्र यादव समेत कई मंत्री व गणमान्य लोग

विशाल सोनी

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। स्थानीय विधायक के छोटे भाई व प्रतापगढ़ के पूर्व सांसद कुंवर हरिवंश सिंह के बेटे दुर्गेश सिंह के निधन पर श्रद्धांजलि देने के लिए उनके पैतृक निवास बस्ती बंदगान पहुंचकर जनप्रतिनिधियों, मंत्रियों समेत विशिष्टजनों का सिलसिला जारी है। प्रदेश के राज्य सूचना आयुक्त वीरेंद्र सिंह "वत्स" ने रविवार की देर शाम परिजनों से मिलकर परिजनों को ढांढस बंधाया। दिवंगत को श्रद्धांजलि अर्पित की। राज्य सूचना आयुक्त ने कहा कि यह केवल संपूर्ण समाज के लिए ही नहीं बल्कि उद्योग जगत के लिए अपूरणीय क्षति है। कहा कि स्वर्गीय सिंह का जीवन मानवता की सेवा के लिए समर्पित था। मान्यता प्राप्त पत्रकार संघ के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत तिवारी ने कहा कि स्व. दुर्गेश सिंह समाज के दबे-कुचले, गरीब, शोषित वर्ग और समाज सेवा के लिए जीते थे। असहाय पीड़ित और जरूरतमंद लोगों की सेवा करना उनका स्वभाव था। समाज की निस्वार्थ सेवा उनके जीवन की अभिन्न अंग थी। श्रद्धांजलि दने वालों में खेल एवं युवा कल्याण (राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार) गिरीश चंद्र यादव, कैबिनेट मंत्री दारा सिंह चौहान, राज्य महिला आयोग सदस्य गीता बिंद, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय गोद गांव कार्यक्रम समन्वयक प्रो. राकेश कुमार यादव, वरिष्ठ समाजसेवी ज्ञान प्रकाश सिंह, राकेश प्रताप सिंह विधायक गौरीगंज आदि रहे।

पूरी जिन्दगी लोगों की भलाई में लगे रहे सत्यदेव त्रिपाठीः सिराज मेहदी

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री सत्यदेव त्रिपाठी के निधन पर पूर्व एमएलसी सिराज मेहदी ने गहरा दुःख व्यक्त किया है। सत्यदेव त्रिपाठी का आज रविवार को दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया।सिराज मेहदी ने कहा कि सत्यदेव त्रिपाठी लोगों को जोड़ने की कला में माहिर थे। वह लखनऊ और इलाहाबाद विश्वविद्यालयों में अध्यक्ष रहे। उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री रहे। प्रदेश कांग्रेस संगठन के अहम पदों की जिम्मेदारियां संभालीं। पूर्व विधायकों के लिए गठित संगठन के भी वह अध्यक्ष थे। सिराज मेहदी ने बताया कि सत्यदेव त्रिपाठी की खासियत यह थी कि हर किसी की समस्या के हल के लिए वह व्यक्तिगत रूप से सक्रिय हो जाते थे। सरकार में रहे तो भी लोगों की भलाई में लगे रहे और सरकार में नहीं रहे तो भी सभी की मदद के लिए हमेशा तैयार रहते थे। उन्होंने बताया कि उनके सभी राजनीतिक दलों में सम्बन्ध थे और वह सभी के साथ खुलकर मिलते थे और खुलकर अपने विचार रखते थे। उनके अचानक निधन से उन लोगों का सबसे ज्यादा नुक्सान हुआ है जिनकी आवाज उठाने वाला कोई नहीं होता था और वह उसके साथ हो लेते थे।

25, 26 एवं 27 मार्च 2025 को रोजगार मेला का आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला सेवायोजन अधिकारी ने अवगत कराया है कि शासन की मंशा एवं निदेशक, प्रशिक्षण एवं सेवायोजन उ०प्र० के निर्देश के कम में उ०प्र० सरकार के सेवा, सुरक्षा सुशासन के 08 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर जिला सेवायोजन कार्यालय एवं राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान सिद्दीकपुर जौनपुर के संयुक्त तत्वाधान में 25 मार्च 2025 को प्रातः 10:00 बजे जिला सेवायोजन कार्यालय कैम्पस जौन कैम्पस जौनपुर में एवं दिनांक 26.03.2025 को राजकीय आई०टी०आई० परिसर सिद्दीकपुर जौनपुर तथा 27 मार्च 2025 को खण्ड विकास कार्यालय परिसर सिरकोनी जौनपुर में रोजगार मेला का आयोजन किया गया है, जिसमें निजी क्षेत्र की कम्पनियों के सहयोग से बेरोजगार युवकों को रोजगार प्राप्त कराना हैं, जिसमें अभ्यर्थियों की शैक्षिक योग्यताः हाईस्कूल, इण्टर, आई०टी०आई० एवं स्नातक उत्तीर्ण एवं आयुसीमा 18 से 35 वर्ष के सापेक्ष की भर्ती की जायेंगी। रोजगार मेलें में अभ्यर्थी अपने योग्यतानुसार प्रतिभाग करते हुए विभिन्न पदों पर साक्षात्कार के माध्यम से रोजगार प्राप्त कर सकते हैं। जिला सेवायोजन अधिकारी जय प्रकाश पासवान ने बताया की रोजगार मेला में सम्मिलित होने के लिए अभ्यर्थियों को अपने साथ समस्त शैक्षिक प्रमाण पत्रों की छायाप्रति आई०डी०प्रुफ सहित एवं वेव पोर्टल https://rojgaarsangam.up.gov.in पर जॉबसीकर के रूप में पंजीकरण उपरांत आवेदन करते हुए, रोजगार मेले में अधिक से अधिक संख्या में प्रतिभाग करें।

रामपुर पुलिस ने झपट्टामारी करने वाले आरोपी को 2220 रुपये के साथ किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक जौनपुर द्वारा अपराध की रोकथाम एवं अपराधियो की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे। अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी मड़ियाहूँ के पर्यवेक्षण में थाना रामपुर पुलिस टीम द्वारा प्र0नि0 देवानन्द के नेतृत्व में उ0नि0 संतोष कुमार सिंह हमराह कर्म0गण के थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0-42/2025 धारा 304(2) बीएनएस से संबंधित नामजद/ वांछित अभियुक्त जितेन्द्र सिंह पुत्र लल्लन सिंह निवासी आलमगंज (बल्लूपुर) थाना बरसठी जनपद जौनपुर को मुखबिर खास की सूचना पर घनावीर बाबा मंदीर सेमुही मोड़ के पास से पकड़ा गया। पकड़े गये व्यक्ति की जामा तलाशी ली गई तो कुल 2220 रुपये बरामद हुए, बरामद रुपये के सम्बन्ध मे पूछने पर बताया कि एक महीने पहले मै तथा विकाश सिंह ने गोरापट्टी से एक लड़की से उसका सोने का चैन झपटमारी कर ले लिया था जिसको मैने राह चलते एक व्यक्ति को 15,000 रु0 मे बेच दिया था उसी में से बचा हुआ यह 2220 रुपया है। अभियुक्त को दिनांक 24.03.2025 को समय करीब 10.40 बजे गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार शुदा आरोपी के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्यवाही करते हुए चालान संबंधित न्यायालय किया गया।

ट्रेन से कटकर मानसिक विक्षिप्त युवती ने दी जान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत क्षेत्र के ग्राम कुसरना बकुलिया निवासी माया यादव 17वर्ष पुत्री प्रमोद यादव रविवार को देर शाम लगभग आठ बजे माल गाडी से कटकर अपनी इह लीला समाप्त कर लिया। गौरतलब है कि उक्त युवती बारहवीं की छात्रा थी। और परिजन उसका मानसिक बिमारी का इलाज दो वर्षो से वाराणसी स्थित एक निजी चिकित्सक से करा रहे थे। शाम को मृतका की माँ भोजन बना रही थी, उसके घर से सटे जौनपुर- गाजीपुर रेल राजमार्ग गुजरता है। अपने निर्धारित समय पर माल गाड़ी जौनपुर की तरफ जा रही थी। किशोरी अपने परिजनों की नजरो से कुछ देर ओझल होकर ट्रैक पर चढ़ गयी और ट्रेन की चपेट में आ गयी। जिसके चलते उसकी मौके पर मौत हो गयी। सूचना पर पहुँचे पुलिस कर्मियों ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कर पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया। मृतका अपने पिता की संतानो में दूसरे नम्बर पर थी, उसकी एक बड़ी बहन और एक छोटा भाई है।

ट्रैक्टर से दबकर एक की मौत, दो गंभीर रूप से घायल

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जलालपुर थाना क्षेत्र के कबूलपुर में ट्रैक्टर की चपेट में आने से बाइक सवार तीन में से एक की मौत हो गयी जबकि दो गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। जफराबाद थाना क्षेत्र के अहमदपुर गांव निवासी तीन युवक एक अपाची पर सवार होकर सोमवार दोपहर कबूलपुर नेहरूनगर कॉलोनी के पास पहुंचे थे कि सामने से आ रहे ट्रैक्टर की चपेट में तीनों आ गए। ट्रैक्टर की चपेट में आने के कारण तीनों बाइक सवार युवक सड़क पर गिरकर तड़पने लगे, वहीं स्थानीय लोगों ने दौड़कर तीनों को उठाया और 108 पर सूचना दिया। कुछ ही देर में 108 एम्बुलेंस पहुंच गई और तीनों घायलों को जिला अस्पताल लाया गया जहां चिकित्सक ने 20 वर्षीय कल्लू सोनकर पुत्र अन्नू सोनकर निवासी अहमदपुर थाना जाफराबाद मृत घोषित कर दिया। घायलों में 19 वर्षीय शुभम निषाद पुत्र परमेशी निषाद निवासी अहमदपुर थाना जफराबाद को गंभीर चोट लगने के कारण ट्रामा सेंटर वाराणसी के लिए रेफर कर दिया। इन्हीं के साथ घायल 22 वर्षीय पल्लू सोनकर पुत्र दारा सोनकर निवासी अहमदपुर थाना जाफराबाद का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है। घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

चोरों ने ज्वेलरी शॉप से 26 लाख की चोरी की

भदोही। भदोही में कोतवाली के लालानगर टोल प्लाजा के पास ज्ञानपुर मोड़ पर बीती रात चोरों ने सराफ की दुकान से लाखों का सामान चुरा ले गए। घटना के बाद डॉग स्क्वायड, फोरेंसिक के साथ पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल की। पुलिस सीसीटीवी खंगाल कर चोरों की तलाश में जुटी हुई है। खमरिया निवासी राहुल सोनी की सराफा की दुकान टोल प्लाजा से ज्ञानपुर की ओर जाने वाली सड़क के मोड़ पर स्थित है। रविवार की रात दुकान बंद कर राहुल घर चले गए थे। इस बीच, देर रात चोर शटर उखाड़ कर अंदर घुस गए। पूरे दुकान को खंगालते हुए सोने चांदी के जेवर व अन्य सामान उठा ले गए। आसपास के लोगों से चोरी की जानकारी मिलने पर मौके पर पहुंचे दुकानदार ने इसकी सूचना पीआरबी व गोपीगंज पुलिस को दी। गोपीगंज पुलिस के साथ डॉग स्क्वायड व फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगालते हुए चोरों की पहचान में जुट गई है। पीड़ित राहुल सोनी ने पुलिस को दिए तहरीर में बताया कि चोरों ने दुकान में रखे 17 किलो चांदी के साथ डेढ़ सौ ग्राम सोने का लगभग 26 लाख का माल चोर उठा ले गए हैं। प्रभारी निरीक्षक आशुतोष त्रिपाठी ने बताया कि पीड़ित ने तहरीर दी है। मामले की जांच की जा रही है।

गैस गोदाम में सिलिंडर भरे ट्रक में लगी आग, धमाकों से दहला इलाका

बरेली (उत्तरशक्ति)। बरेली से दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। बिथरी चैनपुर थाना क्षेत्र में रजऊ परसपुर स्थित महालक्ष्मी गैस एजेंसी में सोमवार दोपहर करीब एक बजे सिलिंडरों से भरे ट्रक में आग लग गई। ट्रक में लदे सिलिंडर फटने से लगातार कई धमाके हुए, जिससे पूरा इलाका दहल गया। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड के साथ पुलिस मौके पर पहुंच गई। आग बुझाने के प्रयास शुरू किए।

कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका, लेकिन तब तक सारे सिलिंडर फट गए। गनीमत रही कि कोई हताहत नहीं हुआ है। घटना इतनी विकराल थी कि धमाकों के साथ फटे सिलिंडरों के टुकड़े 500 मीटर तक जाकर खेतों में गिरे, जिससे पूरे इलाके में दहशत फैल गई। ट्रक के परखच्चे उड़ गए। प्राप्त जानकारी के मुताबिक सोमवार को सिलिंडरों से भरा ट्रक गोदाम पर खड़ा था। ट्रक के केबिन में किसी तरह आग लग गई, जिससे सिलिंडर फटने से काफी देर तक धमाके होते रहे। घटना से गांव रजऊ परसपुर में दहशत फैल गई। ग्रामीण अपने-अपने घरों से बाहर निकल आए। गांव से बाहर आकर देखा तो पता चला कि गैस गोदाम में धमाके हो रहे हैं। ग्रामीणों ने मोबाइल से घटना के वीडियो बना लिए। गोदाम में सिलिंडर लेकर आए ट्रक के परखच्चे उड़ गए। जिस गैस एजेंसी गोदाम में आग लगी है, वह सोमवार को बंद रहता है। गोदाम पर चौकीदार और ट्रक चालक ही थे। दोनों ने भागकर अपनी जान बचाई। वहीं गोदाम आबादी से काफी दूर बना है, जिससे जनहानि होने से बच गई।

संरक्षित पशुओं से भरी ट्रक नहर में पलटी, 15 की मौत

चंदौली (उत्तरशक्ति)। चंदौली सदर कोतवाली क्षेत्र के नवहीं गांव के समीप सोमवार को गौवंश लदी मिनी ट्रक अनियंत्रित होकर नहर में पलट गई। इसके बाद चालक व तस्कर मौके पर वाहन छोड़ फरार हो गए। वहीं घटना के बाद वाहन में लदे 15 गौवंश की नहर में डूबने से मौत हो गई। वहीं सात गौवंश घायल हो गए। मौके पर जुटे आस पास के ग्रामीणों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। इसके बाद पुलिस ने ग्रामीणों की सहायता से मृत पशुओं को बाहर निकाला और आगे की कार्यवाई में जुट गई। बताते हैं कि सोमवार को 22 गौवंश को लोड करके मिनी ट्रक सैयदराजा की तरफ से बिहार जा रहा था। लेकिन बॉर्डर पर पुलिस की बैरिकेडिंग देख वापस मुड़ कर भागने लगा और भगवानपुर पुल होते हुए नवहीं के रास्ते धरौली की तरफ जाने के फिराक में थे। इसी बीच तस्करों का वाहन नवहीं गांव के समीप पहुंचा की मिनी ट्रक अचानक अनियंत्रित होकर नहर में पलट गई। जहां मौके से तस्कर फरार हो गए। घटना ने आधा से ज्यादा पशुओं की नहर में डूबने से मौत हो गई। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने लोगों की सहायता से पशुओं को मिनी ट्रक से बाहर निकाला और अग्रिम कार्यवाई में जुट गई। सदर कोतवाल राजेश कुमार सिंह ने बताया कि गोवंश से लदा तेज रफ़्तार मिनी ट्रक सैयदराजा पुलिस से बचने के लिए भाग रहा था। नवहीं गांव के रास्ते चकिया की तरफ जाने के फिराक में था, लेकिन बीच रास्ते में ही वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया।

सामूहिक खेती पर नई नीति लाकर वित्तीय सहायता बढ़ाएंगे : देवेंद्र फडणवीस

मुंबई/पुणे, महाराष्ट्र सरकार 2016 से कम से कम 20 किसान और 100 एकड़ भूमि होने पर सामूहिक खेती के लिए 1 करोड़ रुपये की सब्सिडी प्रदान कर रही है। अब, राज्य सरकार सामूहिक खेती पर एक नई नीति लेकर आएगी और वित्तीय सहायता बढ़ाएगी। इसके द्वारा हम सामूहिक खेती को एक आंदोलन बनाएंगे, यह घोषणा मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को की। बालेवाड़ी स्थित शिव छत्रपति शिवाजी क्रीडा संकुल में पानी फाउंडेशन द्वारा आयोजित 'सत्यमेव जयते फार्मर कप 2024' के भव्य पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। आमिर खान और किरण राव द्वारा स्थापित यह संगठन 2016 से सूखा मुक्त और समृद्ध महाराष्ट्र बनाने के लिए काम कर रहा है। महाराष्ट्र के कृषि मंत्री माणिकराव कोकाटे, सह्याद्री फार्म्स के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक विलास शिंदे, इंडियन जैन एसोसिएशन के संस्थापक शांतिलाल मुथा और पद्मश्री पोपटराव पवार, आमिर खान, किरण राव और अन्य गणमान्य अतिथि इस अवसर पर उपस्थित थे। मनोरंजन और सामाजिक क्षेत्रों की कई हस्तियों ने कार्यक्रम में आकर्षण बढ़ाया। गणमान्य अतिथियों ने सभी प्रतिभागी किसान समूहों की सराहना की। उन्होंने उनकी एकता की भी सराहना की और कृषि में उत्पन्न अनिश्चितताओं और चुनौतियों से निपटने के लिए सामूहिक कृषि कितनी महत्वपूर्ण है इस बात पर जोर दिया। इस वर्ष महाराष्ट्र की 46 तहसीलों के 4,300 से अधिक

किसान समूहों (लगभग 2000 महिला समूहों) ने किसान कप में भाग लिया। सांगली जिले के तुरची (तहसील तासगांव) गांव के भाग्योदय शेतकरी समूह ने राज्य स्तर पर पहला पुरस्कार जीता और 25 लाख रुपये का नकद पुरस्कार और प्रतिष्ठित किसान कप ट्रॉफी जीती। सातारा जिले के भोसरे (तहसील खटाव) से सरसेनापति प्रतापराव गुजर महिला शेतकरी समूह और छत्रपति संभाजीनगर जिले के सोबलगांव (तहसील खुलदाबाद) ने संयुक्त रूप से राज्य स्तर पर 15 लाख रुपये का दूसरा पुरस्कार प्राप्त किया। हिंगोली जिले के कावड़ा (कलमनूरी) से जय बिरसा मुंडा शेतकरी समूह और वाशिम जिले के नागी (तालुका मंगरूल पीर) से माऊली शेतकारी समूह ने संयुक्त रूप से 10 लाख रुपये का तीसरा पुरस्कार जीता। मुख्यमंत्री फडणवीस ने पानी फाउंडेशन के प्रयासों की सराहना की और आधिकारिक तौर पर ऑल महाराष्ट्र टूर्नामेंट का उद्घाटन किया। इस अवसर पर पानी फाउंडेशन के संस्थापक आमिर खान ने घोषणा की कि 2026 से पानी फाउंडेशन पूरे महाराष्ट्र में काम करेगा। यह महाराष्ट्र के प्रत्येक किसान को फार्मर कप में प्रतिस्पर्धा करने के लिए एक मंच प्रदान करेगा। इससे उन्हें प्रशिक्षण मिलेगा और प्रति एकड़ लागत कम करने और उत्पादकता और प्रति एकड़ आय में सुधार करने के लिए ज्ञान प्रदान करेगा। ामिर खान और किरण राव ने भी अपने भाषणों में किसानों को बधाई दी। श्री. खान ने पानी फाउंडेशन के व्यापक दृष्टिकोण के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि फाउंडेशन आर्थिक और पर्यावरण की दृष्टि से सुदृढ़ महाराष्ट्र के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है।कृषि मंत्री माणिकराव कोकाटे ने सभी तालुका स्तर के पुरस्कार वितरित किए। उन्होंने पानी फाउंडेशन के काम में सरकार की ओर से पूरा सहयोग देने का आश्वासन दिया।पानी फाउंडेशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सत्यजित भटकल ने संगठन के काम के प्रभाव पर प्रकाश डालते हुए बताया कि 2024 में किसान कप में भाग लेने वाले किसानों ने 100 करोड़ रुपये से अधिक का अतिरिक्त लाभ कमाया है। संगठन के मुख्य सलाहकार डॉ. अविनाश पोल ने बताया कि कैसे किसान समूह प्रतिस्पर्धा के ढांचे से बाहर लघु उद्योगों और आर्थिक उद्यमों को स्थापित करने के लिए असाधारण काम कर रहे हैं।

पुलिस ने मोटरसाइकिल एवं उसके पार्टस के साथ चार को गिया गिरफ्तार

मछलीशहर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक जौनपुर द्वारा अपराध की रोकथाम एवं वांछित आपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे ।अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के दिशा-निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी मछलीशहर जौनपुर के निकट पर्यवेक्षण में थाना मछलीशहर पुलिस टीम द्वारा थानाध्यक्ष मछलीशहर के नेतृत्व में उ0नि0 अरबिन्द यादव, उ0नि0 इष्टदेव पाण्डेय, उ0नि0 राजकुमार तिवारी मय हमराह हे0का0 धर्मदत्त यादव हे0का0 सुरेन्द्र यादव, हे0का0 अमित खरवार का0 अजय कुमार द्वारा कल दिनांक 23.03.2025 को थाना हाजा से रवाना होकर धर्मबीर बाबा के पास पुलिया बहद ग्राम मतरी पर संदिग्ध ब्यक्ति व संदिग्ध वाहन की चेकिंग के दौरान सुजानगंज की तरफ से मछलीशहर की तरफ जा रही 03 मोरसाइकिल पर बैठे 03 ब्यक्ति को रोकने पर वाहन को मोड़कर भागने का प्रयास करने लगे, संदेह होने पर तीनों मोटरसाईकिल पर बैठे व्यक्तियों को पकड़ लिया गया, नाम पता पूछा गया तो अपना नाम सौरभ गौड पुत्र विनोद गौड निवासी मथुरा मतरी थाना मछलीशहर जौनपुर, धनन्जय बिन्द पुत्र जयप्रकाश बिन्द निवासी रामनगर थाना मछलीशहर जौनपुर, प्रकाश गौतम पुत्र सिकन्दर

गौतम निवासी नि0 ग्राम बेलबई थाना सुजानगंज जौनपुर को एक अदद मोटरसाईकिल व पाट्र्स बरामद किया गया। तत्पश्चात आरोपियों की निशानदेही पर अभियुक्त शिवम गौतम उर्फ राजू पुत्र मोहनलाल निवास फरीदाबाद थाना सुजानगंज जौनपुर के द्वार पर खडी तीन अन्य मोटर साइकिल के साथ समय करीब 20.05 बजे गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी के समय उच्चतम न्यायालय व मानवाधिकार आयोग के आदेश/निदेर्शों का पालन किया गया है। तथा गिरफ्तार शुदा आरोपियों को न्यायालय भेजा जा रहा है ।

उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड ने बिहार में तीन नए बैंकिंग आउटलेट खोले

पटना। बिहार के सिंघेश्वरस्थान (मधेपुरा), सिमरी (बक्सर) और सुपौल (सुपौल) में नए बैंकिंग आउटलेट शुरू किए, जिससे बिहार में बैंकिंग आउटलेट की कुल संख्या 267 और देश भर में 1079 हो गई। उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड संयुक्त देयता समूह (जेएलजी) मॉडल के माध्यम से कम आय वाले व्यक्तियों तक माइक्रो-बैंकिंग ऋण सुविधाओं सहित अपनी बैंकिंग सुविधाओं का विस्तार करेगा, जिनकी इन क्षेत्रों में वित्तीय सेवाओं तक सीमित पहुंच है। वित्तीय उत्पादों और सेवाओं की एक श्रृंखला प्रदान करता है जो वित्तीय बचत, व्यवसाय विकास और निवेश में निवासियों और उद्यमियों का समर्थन करते हैं। मधेपुरा, बक्सर, सुपौल, बिहारः उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड ने बिहार के सिंघेश्वरस्थान (मधेपुरा), सिमरी (बक्सर) और सुपौल (सुपौल) में अपने नए

बैंकिंग आउटलेट के उद्घाटन की घोषणा की है। इन लॉन्च के साथ, बैंक ने बिहार में 267 बैंकिंग आउटलेट और देश भर में 1079 आउटलेट खोले हैं।

सिंघेश्वरस्थान, सिमरी और सुपौल के निवासियों को बचत खाते, चालू खाते, सावधि जमा और आवर्ती जमा सहित बैंकिंग उत्पादों के व्यापक सूट से लाभ होगा। बैंक विभिन्न ऋण उत्पाद भी प्रदान करता है, जैसे आवास ऋण, व्यवसाय ऋण, संपत्ति के खिलाफ ऋण, ऋण, बीमा और निवेश उत्पाद। बैंक का बुनियादी ढांचा, डिजिटल बैंकिंग क्षमताएं और एटीएम नेटवर्क एक सहज बैंकिंग अनुभव सुनिश्चित करते हैं।

बाइक सवार दो भाइयों को डंपर ने कुचला,मौके पर ही मौत

शामली (उत्तरशक्ति)। आदर्श मंडी थानाक्षेत्र में शामली-सहारनपुर हाईवे पर अज्ञात वाहन से कुचलकर बाइक सवार दो सगे भाइयों नितेश सैनी उर्फ मोंटी (22) व कृष (18) की मौत हो गई। पिता आनंद किशोर की तरफ से अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ थाने पर रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। थानाभवन क्षेत्र के गांव मंटी हसनपुर निवासी दोनों भाई रविवार सुबह करीब साढ़े चार बजे बाइक से मेरठ जाने के लिए घर से निकले थे। कृष की मेरठ में एनडीए की प्रवेश परीक्षा थी। उसे परीक्षा दिलाने के लिए नितेश बाइक से लेकर जा रहा था। करीब साढ़े पांच बजे आदर्श मंडी थानाक्षेत्र में हाईवे पर सिक्का और शामली के बीच पहुंचे तो किसी वाहन ने बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर लगने से दोनों भाई सड़क पर गिर गए और कुचले जाने से मौके पर ही मौत हो गई।

हादसे में उनकी बाइक भी क्षतिग्रस्त हो गई। आरोपी चालक वाहन समेत भाग गया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल की। पुलिस की सूचना पर परिजन पहुंचे। मृतकों के चाचा संजय ने बताया कि उन्होंने आसपास लोगों से जानकारी की तो डंपर की टक्कर से दोनों भाइयों की मौत होना बताया गया है। गांव मंटी हसनपुर निवासी आनंद किशोर गांव मनट स्थित ईंट भट्ठे पर मुनीम का कार्य करते हैं। उनके दो ही पुत्र थे। इनके अलावा कोई संतान नहीं है। दोनों भाइयों का पुलिस और सेना में भर्ती होने का सपना अधूरा रह गया। मृतक भाइयों के चाचा संजय ने बताया कि नितेश ग्रेजुएशन करने के बाद यूपी पुलिस भर्ती की तैयारी कर रहा था। उसका पुलिस में भर्ती होने का सपना था, जबकि कृष ने पिछले साल इंटर की परीक्षा पास की और एनडीए में भर्ती होने की तैयारी कर रहा था। नितेश ने हेलमेट लगाया हुआ था, लेकिन उससे भी जान नहीं बच सकी। रविवार दोपहर बाद पोस्टमार्टम के बाद दोनों के शव घर पहुंचे तो मां व अन्य परिजन बिलख उठे। दोनों भाइयों की एक साथ अर्थी उठी तो ग्रामीणों की आंखों नम हो गईं। हर किसी की आंखो में आंसू थे।मां अमिता बार-बार बेहोश हो रही थी। महिलाएं उन्हें संभालने की कोशिश कर रही थीं। बार-बार वह अपने पुत्रों को याद करके रोते बिलखते हुए यही कह रही थी कि अब वह किसके सहारे जिएगी। उसकी तो दुनिया ही उजड़ गई। दोनों भाइयों की मौत के बाद पूरे गांव में शोक छाया रहा। गमगीन माहौल में दोनों शवों का अंतिम संस्कार किया गया।

कोर्ट ने जारी किया आदेश,केपी ट्रस्ट चुनाव की फिर से होगी मतगणना

प्रयागराज (उत्तरशक्ति)। उप जिलाधिकारी सदर की अदालत ने कायस्थ पाठशाला ट्रस्ट (केपी ट्रस्ट) चुनाव की फिर से मतगणना कराने का आदेश जारी किया है। एक सप्ताह के भीतर नामित अधिकारियों की मौजूदगी में मतों की फिर से गणना की जाएगी। एसडीएम कोर्ट ने आदेश दिया है कि कायस्थ पाठशाला चुनाव 2023 के पूरे वोटों की पुनः मतगणना सहायक रजिस्ट्रार, सोसाइटीज के देख रेख में एक हफ्ते के अंदर कराई जाए। इसके बाद नए सिरे से परिणाम की घोषणा की जाए।

संपूर्ण करवाई नायब तहसीलदार उत्तरी, सदर प्रयागराज के पर्यवेक्षण में होगा, जिसमें जो मत गिन गए थे और बचे हुए 148 मतों को पुनः गिना जाएगा। कायस्थ पाठशाला ट्रस्ट के चुनाव को लेकर एसडीएम सदर कोर्ट में चल रही सुनवाई में फैसला सुरक्षित कर लिया था। ट्रस्ट के चुनाव के लिए 25 दिसंबर 2023 को मतदान हुआ था।

चुनाव अध्यक्ष और कार्यकारिणी सदस्य के लिए हुआ था। दोनों पदों के लिए अलग-अलग बैलेट पेपर थे। मतदान के बाद इन्हें अलग-अलग निर्धारित बॉक्स में डालना था। मतदान के अगले दिन अध्यक्ष पद के लिए मतगणना पूरी हुई थी। मतगणना के बाद डॉ. सुशील सिन्हा महज 18 मतों के अंतर से विजयी घोषित किए गए थे। अध्यक्ष तथा कार्यकारिणी सदस्यों के लिए पड़े मतों की गिनती के बाद 148 ऐसे बैलेट पेपर पाए गए, जो गलत बॉक्स में डाले गए थे। यानी 148 मतदाताओं ने अध्यक्ष पद के बैलेट पेपर कार्यकारिणी सदस्य के बॉक्स में डाले दिए। इसकी वजह से इनकी गिनती नहीं की गई। हालांकि, यह संख्या कम या अधिक भी हो सकती है। दूसरे प्रत्याशी रहे चौधरी राघवेंद्र नाथ सिंह की ओर से इन मतों की भी गिनती कराने की मांग की गई, लेकिन उनकी मांग को नहीं सुना गया। इसके बाद उन्होंने चिट फंड सोसाइटी में इस मांग को रखा। इसी क्रम में एसडीएम सदर के यहां सुनवाई की गई।

बिहार विश्व गौरव सम्मान 2025 से सम्मानित हुए महेश कुमार

पटना (उत्तरशक्ति)। एआई और एनालिटिक्स में ग्लोबल लीडर टाइगर एनालिटिक्स के फाउंडर और सीईओ महेश कुमार को बिहार फाउंडेशन (प्रवासी समुदाय को जोड़ने वाली बिहार सरकार की एक इकाई) की ओर से प्रतिष्ठित बिहार विश्व गौरव सम्मान 2025 से सम्मानित किया गया। पुरस्कार समारोह 22 मार्च, 2025 को न्यूयॉर्क में भारत के कोंसुलेट जनरल (महावाणिज्य दूतावास) में आयोजित किया गया था। विदित हो कि बिहार विश्व गौरव सम्मान उन लोगों को दिया जाता है जो बिहार से हैं और जिन्होंने अपने काम में बहुत अच्छा योगदान दिया है और दुनिया भर में नाम कमाया है। महेश कुमार को टाइगर एनालिटिक्स के जरिए उनके बेहतरीन लीडरशिप और बिजनेस में सफलता के लिए यह सम्मान मिला है। वह उन खास लोगों की लिस्ट में शामिल हो गए हैं

जिनका काम आने वाली पीढ़ी के नए विचारकों, नेताओं और बदलाव लाने वालों को हमेशा प्रेरित करता रहेगा। पुरस्कार मिलने पर, टाइगर एनालिटिक्स के फाउंडर और सीईओ महेश कुमार ने कहा, बिहार विश्व गौरव सम्मान पाकर मैं बहुत खुश हूँ। बिहार में बड़ा होने के कारण मेरे अंदर मुश्किलों से लड़ने की ताकत और जानने की इच्छा पैदा हुई, जिसने मुझे आगे बढ़ने में मदद की। मुझे उम्मीद है कि यह सम्मान बिहार और दूसरे जगहों के युवा काम करने वालों और बिजनेस करने की इच्छा रखने वालों को हिम्मत देगा, ताकि वे नए विचारों पर काम करें और दुनिया में अच्छा बदलाव लाएँ। महेश के नेतृत्व में, टाइगर एनालिटिक्स ने बड़ी सफलताएँ पाई हैं। यह कंपनी केवल 10 डेटा साइंटिस्ट की टीम से बढ़कर भारत और अमेरिका में 5,000 से ज्यादा तकनीकी और कंसल्टिंग वर्कफोर्स तक पहुँच गई है, और अब यह कनाडा, मैक्सिको, सिंगापुर, मलेशिया, फिलीपींस, ऑस्ट्रेलिया, यूके और स्पेन में भी फैल रही है। आज, टाइगर एनालिटिक्स दुनिया की 1000 सबसे बड़ी कंपनियों में से कई की भरोसेमंद साथी है, जो अलग-अलग इंडस्ट्री जैसे कि सीपीजी , बीएफएसआई, इंश्योरेंस, मैन्युफैक्चरिंग में कई ग्राहकों को सेवाएँ दे रही है।

फांसी के फंदे से लटक कर युवक ने दे दी जान

प्रयागराज,जगतपुर। उतरांव थाना क्षेत्र के धनशीपुर गांव में एक बोलेरो चालक ने रविवार को दोपहर फंदे से लटककर जान दे दी। परिजनों ने पुलिस को सूचना दिए बिना शव का अंतिम संस्कार कर दिया। धनशीपुर निवासी मुलायम यादव (35) पुत्र अभय राज यादव ड्राइवर था।

रविवार दोपहर वह घर आया और पत्नी को अपने कपड़े धोने के लिए दिए। इसके बाद कमरे में जाकर छत में लगे चुल्ले में गमछा का फंदा बनाकर लटक गया। शोर गुल सुन कर पास पड़ोस के लोग मौके पर पहुंचे और शव को नीचे उतारा। मृतक दो भाइयों में बड़ा था। थाना इंचार्ज प्रभारी मनोज सिंह ने बताया कि उन्हें घटना की जानकारी नहीं है।

साइंस सिटी में विश्व जल दिवस कार्यक्रम का आयोजन

पटना। अहमदाबाद स्थित साइंस सिटी के एक्वाटिक गैलरी में विश्व जल दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य जल संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। कार्यक्रम में विभिन्न जिलों के चार से अधिक स्कूलों के 450 से अधिक छात्रों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान जल के हमारे जीवन में महत्वपूर्ण योगदान और आने वाली पीढ़ियों के लिए इसके संरक्षण की आवश्यकता पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया। प्रतिभागियों को जल संरक्षण के महत्व के बारे में जानकारी दी गई, जिसमें विशेष रूप से ग्लेशियरों को ताजे पानी के प्रमुख स्रोत के रूप में रेखांकित किया गया। विशेषज्ञों और प्रशिक्षकों ने ग्लेशियरों के पिघलने के कारण जल आपूर्ति पर पड़ने वाले प्रभाव और जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों पर प्रकाश डाला। इसके अलावा, छात्रों ने एक्वा-क्विज में उत्साहपूर्वक भाग लिया, जहां उन्होंने जल संबंधी मुद्दों पर अपनी जानकारी प्रस्तुत की। कार्यक्रम के समापन पर सभी प्रतिभागियों को मिशन लाइफ पहल के तहत जल संरक्षण को प्रोत्साहित करने वाले पोस्टर प्रदान किए गए, जिसका उद्देश्य दैनिक जीवन में स्थायी प्रथाओं को अपनाने की प्रेरणा देना है। यह आयोजन न केवल युवा मनों को पर्यावरणीय मुद्दों के प्रति शिक्षित करने में सफल रहा, बल्कि उन्हें जल संरक्षण की जिम्मेदारी लेने और इस अनमोल संसाधन की रक्षा के लिए तत्काल कदम उठाने के लिए भी प्रेरित किया।

यूपी में अब काम दिखता भी है, बना देश की अर्थव्यवस्था का इंजन

*** भव्य कार्यक्रमों के साथ पखवारेभर आमजनमानस के बीच भाजपा मनाएगी जश्न**

*** योगी ने पेश किया रिपोर्ट कार्ड, बोले- जनता का भरपूर साथ मिला...**

*** योगी ने सरकार की सेवा, सुरक्षा और सुशासन नीति पर जोर दिया**

-सुरेश गांधी

वाराणसी। देश के सबसे बड़े सूबे का चहुंओर विकास हो रहा है... क्या अमीर, क्या गरीब... हर किसी को सरकारी योजनाओं का लाभ मिल रहा है...जिसके चलते सूबे में गरीबों का जीवन बेहतर हो रहा है...यूपी की जनता को गरीबी से दूर करने का जो प्रण सीएम योगी ने लिया है उसे हर हाल में निभा रहे हैं...उस दंश को मिटा रहे हैं जिसके चंगुल में राज्य का गरीब दशकों से फंसा हुआ था...लेकिन पिछली सरकारों ने कुछ नहीं किया और अब योगी राज में गरीब भी सुकून की सांस ले रहा है...अच्छी जिंदगी जी रहा है...मतलब साफ है बीमारु से उबरकर सर्वोत्तम प्रदेश बन चुके यूपी में अब काम दिखता भी है।

नारों-वादों से इतर यूपी अब देश की अर्थव्यवस्था का इंजन बन चुका है। इसकी गवाही आधारभूत ढांचे, कृषि और धार्मिक क्षेत्र में हुए विकास के काम दे रहे है। निवेश बढ़ने, अपराध पर नियंत्रण और धर्म परिवर्तन विरोधी कानून जैसी उपलब्धियां मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की बन गयी है। इन्हीं कामों को बीजेपी ने 24 मार्च से 14 अप्रैल तक प्रदेशभर में विभिन्न जिला स्तरीय कार्यक्रमों व कार्ययोजना के तहत सरकार के 8 साल संदेश के साथ जनता के बीच पहुंचेगी. जिला स्तरीय कार्यक्रमों में गांवों के विकास, किसानों, महिलाओं और युवाओं के कल्याण के लिए चलाई जा रही सरकार की योजनाओं को प्रमुख तौर से प्रचारित किया जाएगा. इसके साथ ही, सरकार की अपराध और भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस नीति पर भी चर्चा की जाएगी. कहा, आज हर सेक्टर में यूपी देश के विकास में ब्रेक थ्रू के रूप में देखा जा रहा है।

सोमवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने 8 साल के कार्यकाल की उपलब्धियां गिनाईं. उन्होंने बताया कि कैसे यूपी ने बदलाव किया है. योगी ने कहा कि यूपी में निवेश बढ़ा है और जो पहले देश की अर्थव्यवस्था का बैरियर था, वो अब इंजन बन गया है। बता दें, यूपी में भाजपा की सरकार बने आठ साल पूरे हो गए हैं। साल 2017 में बीजेपी को जनता प्रचंड बहुमत दिया, जिसके बाद योगी आदित्यनाथ को मुख्यमंत्री बनाया गया। इसके बाद सीएम योगी ने अपना पांच साल का कार्यकाल पूरा किया। फिर साल 2022 में दोबारा हुए विधानसभा चुनाव में भी यूपी की जनता ने दिल खोलकर बीजेपी को वोट दिया, जिसके बाद बीजेपी नेतृत्व ने योगी आदित्यनाथ को ही यूपी के सीएम के तौर पर चुना। इस उपलक्ष्य में बीजेपी ने प्रदेशभर में कार्यक्रमों का आयोजन की तैयारी की है.

इस दौरान किसान, महिलाओं और युवाओं के कल्याण के लिए चलाई जा रही सरकार की योजनाओं को प्रमुख तौर से पार्टी प्रचारित करेगी. 24 मार्च से 14 अप्रैल तक चलने वाले कार्यक्रमों के दौरान प प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में जिलास्तरीय लाभार्थी मेला और विकास सेमिनार का आयोजन किया जाएगा. वहीं, ग्राम परिषद स्तर पर बीजेपी महिला मोर्चा महिलाओं के साथ संवाद करेंगी और उनकी समस्याओं को समझेंगी. 14 अप्रैल को डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती के अवसर पर सफाई अभियान का आयोजन किया जाएगा. साथ ही बीजेपी सरकार द्वारा जो सामाजिक न्याय और सामाजिक समरसता को लेककर किए काम की चर्चा की जाएगी.

लखनऊ में प्रेस वार्ता के दौरान सेवा, सुरक्षा और सुशासन की नीति के 8 साल पूरे होने के अवसर पर इस कार्यक्रम में योगी ने सरकार की उपलब्धियां बताईं। उन्होंने रिपोर्ट कार्ड जारी करते हुए प्रदेश की जनता को धन्यवाद दिया। इस दौरान सीएम योगी अन्नदाता किसानों से लेकर महिलाओं तक के लिए सरकार की तरफ से किए गए कार्य का उल्लेख किया। उन्होंने उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था से लेकर अपराधियों के खिलाफ अभियान तक का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार ने विकास कार्य किया है। जीडीपी में उछाल और कानून व्यवस्था के राज का जिक्र करते हुए योगी ने कहा कि हर क्षेत्र में यूपी आगे बढ़ा है। उन्होंने 2017 से पहले प्रदेश में कानून व्यवस्था की बदहाली के बारे में बताते हुए कहा कि बेटी से लेकर व्यापारी तक पीड़ित रहते थे। दंगे और हिंसा होती थी। अपराधियों का बोलबाला था। पहले यहां पहचान का संकट था। आज किसान खुशहाल है और आमदनी बढ़ी है।

सीएम योगी के साथ ही दोनों उपमुख्यमंत्री- केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, कैबिनेट मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह, सुरेश खन्ना, सूर्यप्रताप शाही के साथ ही सहयोगी दल के मुखिया- ओमप्रकाश राजभर, संजय निषाद, आशीष पटेल मौजूद रहे। इसके साथ ही प्रशासन और पुलिस विभाग के सीनियर अफसर भी रहे। सीएम आदित्यनाथ ने अपनी सरकार के 8 साल पूरा होने के अवसर पर उत्तर प्रदेश सूचना विभाग की बुकलेट का विमोचन किया। इस बुकलेट का विमोचन लखनऊ में किया गया, जिसमें कामकाज के आधार पर रिपोर्ट कार्ड जारी किया गया है।

योगी के दावे

- प्रदेश में निराश्रित गोवंश के लिए 7700 से अधिक गो आश्रय स्थल में 12 लाख 50 हजार से अधिक गोवंश का संरक्षण सरकार स्वयं कर रही है, साथ ही सहभागिता योजना के माध्यम से 1 लाख 5 हजार पशुपालकों को 1 लाख 63 हजार गोवंश उनकी सुपुर्दगी में दिया गया है, जिसके लिए सरकार 1500 रु प्रति गोवंश प्रति माह का भुगतान कर रही है।

- 8 वर्ष में सरकार ने पुलिस बल को एक सिस्टम के साथ जोड़ा। 2017 में हमारी सरकार आने पर पुलिस बल में डेढ़ लाख से ज्यादा पद खाली थे। सरकार की नियति पर जनता और न्यायालय को संदेह था। सरकार ने 1 लाख 56 हजार पुलिस कार्मिकों की भर्ती की, साथ ही मौजूदा समय ने 60 हजार 200 से अधिक नए पुलिस कार्मिकों की भर्ती प्रक्रिया समाप्त की, जिन्हें जल्दी ट्रेनिंग मिलेगी।

- आज हम स्टेट डेवलपमेंट रीजन सृजित करने जा हैं। लखनऊ के आसपास स्टेट कैपिटल रीजन सृजित करने जा रहे हैं। ऐसे ही वाराणसी, कानपुर के आसपास काम होने जा रहा है। 1947 से 2017 तक 1 लाख 28 हजार 494 मजरों तक बिजली पहुचाई गई थी। पिछले 8 वर्ष में यह संख्या बढ़कर 2 लाख 49 हजार 818 मजरों तक हो गई है। 1 लाख 21 हजार मजरों को हमने सिर्फ 8 वर्ष में विद्युतीकरण किया गया। प्रदेश सरकार के कार्यो से परिणाम सामने है, आज प्रदेश अर्थव्यवस्था में नम्बर 2 का राज्य है। हमारी सरकार ने पहले ही फैसले में किसानों के लिए कर्जमाफी और राज्य कर्मचारियों के लिए 7 जीपे कमीशन लागू किया। हमने जनता पर कोई बिना टैक्स लगाए एक बेहतर परिणाम दिया। आज यूपी एक रेवेन्यू सरप्लस स्टेट है, आज रोजगार की संभावना बनी है।

स्नेहा दुबे ने पुष्पांजली अर्पण किया तीन वीर महा पुरुष को नमन

-नरेन्द्र सोनी

वसई रोड(उत्तरशक्ति)। वसई रोड पापड़ी में विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने शहीद दिवस के अवसर पर वसई पश्चिम स्थित शहीद स्मारक पर भारत के स्वतंत्रता संग्राम के राष्ट्रीय नायकों भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर शिव सेना जिला अध्यक्ष नीलेश तेंडोलकर, महासचिव प्रज्ञा पाटिल, अपर्णा पाटिल, मैथ्यू कोलासो, मुकुंद मुले, बोर्ड अध्यक्ष नंदकुमार महाजन, अमित पवार, सुचिता शेट्टी, मनमीत राउत, मयंक शेठ, प्रतीक चौधरी, अशोक मिश्रा, सुशील ओगले, राजल नाइक, गीतांजलि दारीवाला, प्रमिला गिर, सुरेश प्रजापति, संतोष के काकड़, विलास चौधरी, गिरीश राऊत, अनिल राऊत, रीता खानविलकर, हरीश बेदी, पुंडलिक राठौड़, अवि चावंडे सहित विभिन्न पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे। तीन वीरपुरूष का बलिदान और वीरता सदैव प्रेरणास्त्रोत समाज में और युवा में बनी रहे.

राजन नाईक को 41 बिल्डिंग वाला मिला जनप्रतिनिधी मंडळ

नालासोपारा (उत्तरशक्ति)। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद नालासोपारा, विजय नगर में 41 इमारतों को ध्वस्त कर दिया गया। विधानमंडल में विस्थापित नागरिकों के पुनर्वास, उन्हें फिर से उनका वाजिब घर दिलाने की जोरदार आवाज विधायक राजन नाईक ने विधानसभा मे उठाया। इस संदर्भ में एक जनप्रतिनिधि के रूप में एक प्रतिनिधी मंडळ धन्यवाद करने के लिये नाला सोपारा कार्यालय मे मिला। राजन नाईक ने कहा कि नालासोपारा निर्वाचन क्षेत्र के लोगों की समस्याओं का समाधान करना अपना पहला कर्तव्य समझता हूं। मेरा दृढ़ विश्वास है कि सरकार जल्द से जल्द इस मुद्दे का समाधान निकालेगी और मैं इसके लिए हमेशा प्रयासरत रहूंगा। बोला की अपने निर्वाचन क्षेत्र के लोगों को मेरा एकमात्र संदेश है कि किसी के साथ अन्याय नहीं होगा। यह कल हमारे बारे में था, यह आज हमारे बारे में है, यह कल हमारे बारे में होगा, और यह तब तक जारी रहेगा जब तक हमारा पुनर्वास नहीं हो जाता। आज आप सभी ने मुझ पर जो भरोसा दिखाया है, मैं उसका बदला अवश्य चुकाऊंगा। उस समय राजन नाईक के कार्यालय पर भाजपा जिल्हा उपाध्यक्ष मनोज बारोट उपस्थित रहे।

मुलुंड में यातायात जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

मुलुंड, मुंबई। मुलुंड, कांजूर के ट्रैफिक पुलिस विभाग द्वारा 21 मार्च को सुबह 10 से 12 बजे तक दो स्कूलों, सौ लक्ष्मीबाई इंग्लिश मीडियम स्कूल और आर आर एजुकेशन ट्रस्ट म्हाडा कॉलोनी, मुलुंड पूर्व में सार्वजनिक विकास शिविर के तहत यातायात जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में स्कूल के अध्यक्ष प्रसाद कुलकर्णी के नेतृत्व में 30 शिक्षक और 150 छात्र उपस्थित थे। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को यातायात सुरक्षा एवं नियमों की जानकारी देना था। छात्रों को सड़क सुरक्षा बनाए रखने और यातायात नियमों का पालन करने के बारे में बताया गया। कार्यक्रम का मार्गदर्शन कांजूर यातायात विभाग के प्रभारी पुलिस निरीक्षक बजरंग झेंडे ने किया. उन्होंने छात्र-छात्राओं को सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने कहा, सड़क सुरक्षा प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। खासकर युवा पीढ़ी को इसके प्रति जागरूक होने की जरूरत है। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों को यातायात सुरक्षा नियमों की शपथ दिलाई गई तथा प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। छात्रों के बीच यातायात सुरक्षा जागरूकता पैदा करने की इस पहल पर शिक्षकों ने अच्छी प्रतिक्रिया दी। शिक्षकों ने ऐसे कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित करने की आवश्यकता जताई, ताकि छात्र अधिक जागरूक हो सकें।

नये प्रतिभावान कलाकारों के लिये इवेंट का आयोजन

मुंबई। मुलुंड में उभरते हुए प्रतिभावान कलाकारों के लिये एक ओपन माइक इवेंट का आयोजन आरोग्यम, पैराडाइज शापिंग प्रिमाइसेस ,मुलुंड प. पर सोनम केवट द्वारा किया गया। इस इवेंट में 55 उभरते कलाकारों अपनी प्रतिभा गीत,कविता,कहानी,मिमिक्री,म्युजिकल इंस्ट्रूमेंट और वादन जैसी कलाओं का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर प्रमुख अतिथी के रूप में वरिष्ठ समाज सेवक डॉ. बाबूलाल सिंह, डॉ. आर.एम. पाल, कवि, साहित्य कार दिलबाग सिंह, दयाशंकर पाल (कराटे प्रशिक्षक), पत्रकार अरविंद बिन्द, शरीफ खान (अध्यक्ष समता हाकर्स युनियन) उपस्थित रहे। इस अवसर पर बोलते हुए अंतर्राष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त योग साधिका सोनम केवट ने कहा कि हमारे आपके बीच में कई प्रतिभावान शख्सियत उपलब्ध हैं, उचित अवसर न मिलने के कारण वे दबे रह जाते हैं। उन सभी को अवसर प्रदान करने हेतु नित्य साहित्य ओपन माइक द्वारा आयोजन किया गया। उभरते कलाकारों को प्रोत्साहित करते हुए डॉ. बाबूलाल सिंह ने कहा कि ऐसे आयोजन समय समय पर होते रहने चाहिए। उन्होने सभी कलाकारों को उज्जवल भविष्य हेतु शुभकामनायें प्रदान किया।

हिंदी सामाजिक संस्था की ऐतिहासिक फूलों की होली संपन्न

मुंबई(उत्तरशक्ति)। मुलुंड मे हिंदी सामाजिक संस्था (रजि.) द्वारा आयोजित फूलों की होली का भव्य और ऐतिहासिक आयोजन शानदार सफलता के साथ संपन्न हुआ। हजारों की संख्या में हिंदी भाषी समाज के लोगों ने इसमें भाग लिया और इस सांस्कृतिक आयोजन को यादगार बना दिया। फूलों की वर्षा, भक्तिमय भजनों की गूंज, रंगारंग प्रस्तुतियां और उल्लास से भरी होली–इस आयोजन ने सबका मन मोह लिया। जब फूलों की बौछार हुई, तो पूरा वातावरण भक्तिरस में डूब गया। संस्था के अध्यक्ष अविनाश पांडेय ने कहा, होली हमारे लिए सिर्फ फूलों की होली व रंगों का त्योहार नहीं, बल्कि समाज को जोड़ने और एकता का संदेश देने का अवसर है। यह आयोजन हमारी संस्कृति और परंपराओं को जीवंत रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। आगे भी ऐसे कार्यक्रम के माध्यम से समाज को जोड़ने का कार्य हम करते रहेंगे। इस अवसर पर अनेक गणमान्य अतिथियों का स्वागत किया गया, जिनमें मुंबई भाजपा उपाध्यक्ष व

सिद्धिविनायक मंदीर ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष आचार्य पवन त्रिपाठी, कांग्रेस प्रवक्ता राकेश शेट्टी, पूर्व एमएलसी चरण सिंह सप्रा, पूर्व नगरसेवक बीके तिवारी, रेलवे पुलिस इंस्पेक्टर राय जी, समाजसेवी पंकज मिश्रा, शिवसेना के सचिन चौबे, समाजसेवी राजेश पांडेय, हिंदी सामना के संपादक अनिल तिवारी, बिरजू मूंदड़ा,हिंदी पत्रकार संघ के अध्यक्ष आदित्य दुबे, कल्पनाथ गिरी,मंगला शुक्ला,अनिल गलगली, आशीष दुबे, सुनील जैन, वरिष्ठ पत्रकार विमल मिश्रा, समाजसेवी एवं व्यवसायी सहित कई प्रमुख हस्तियां शामिल थीं। कार्यक्रम मे सभी सदस्यों ने निभाई महत्वपूर्ण भूमिका और इस कार्यक्रम को सफल बनाने में आयोजन समिति सभी पदाधिकारियों की अहम भूमिका रही। प्रमुख पदाधिकारियों में संतोष तिवारी, एड. संतोष दुबे, विजय सिंह, अनिल शुक्ला, दयाशंकर सिंह,मनीष तिवारी, आर.डी. यादव, डॉ. बाबूलाल सिंह, दयाशंकर सिंह, मनीष पाठक, संजय शर्मा, अमित पाल, सौरभ गुप्ता, अखिलेश सिंहआदि शामिल रहे। महिला विंग से कविता सिंह, बबिता गुप्ता सहित अन्य महिलाओं ने भी सराहनीय योगदान दिया।

पीएनबी ने अपने ग्राहकों से 10 अप्रैल तक केवाईसी विवरण अद्यतन करने का आग्रह किया है

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) दिशानिर्देशो के अनुपालन में, पंजाब नेशनल बैंक, देश के अग्रणी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक, ने अपने ग्राहकों से 10 अप्रैल 2025 तक अपने ग्राहक को जानें(केवाईसी) जानकारी अपडेट करने के लिए आग्रह किया है ताकि उनके खातों का सुचारू कामकाज सुनिश्चित हो सके। यह केवल उन ग्राहकों के लिए लागू है जिनके खातों में 31 मार्च 2025 तक केवाईसी अद्यतन होना शेष है। केवाईसी अनुपालन अभ्यास के हिस्से के रूप में, पीएनबी ग्राहकों से अनुरोध किया जाता है कि वे अपनी अद्यतन जानकारी जैसे पहचान प्रमाण, पता प्रमाण, नवीनतम फोटो, पैन/फॉर्म 60, आय प्रमाण, मोबाइल नंबर (यदि उपलब्ध नहीं है) या कोई अन्य केवाईसी जानकारी किसी भी शाखा को प्रदान करें। यह 10.04.2025 तक पीएनबी वन, इंटरनेट बैंकिंग सर्विसेज (आईबीएस) या पंजीकृत ईमेल/पोस्ट के माध्यम से भी उनकी आधार शाखा में किया जा सकता हैकनिर्धारित समय के भीतर केवाईसी विवरण अद्यतन करने में विफलता के परिणामस्वरूप खाता संचालन पर प्रतिबंध लग सकता है।

शहीद भगत सिंह विचार मंच की श्रद्धांजलि रैली, देशभक्ति के जयघोष से गूंजी सड़कें

मुंबई। शहीद भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव के बलिदान को नमन करते हुए और उनकी स्मृति को जीवंत बनाए रखने के उद्देश्य से शहीद भगत सिंह विचार मंच द्वारा रविवार को देर शाम अंधेरी (पूर्व) के चिम्मटपाड़ा से नवापाड़ा स्थित दशमेश दरबार गुरुद्वारे तक श्रद्धांजलि रैली निकाली गई। इस दौरान बड़ी संख्या में देशप्रेमी नागरिकों ने भाग लिया और अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस संबंध में शहीद भगत सिंह विचार मंच के अध्यक्ष व कार्यक्रम आयोजक सरबजीत सिंह संधू ने बताया कि मंच पिछले 10 वर्षों से शहीद दिवस के अवसर पर श्रद्धांजलि रैली का आयोजन कर रहा है। उन्होंने कहा, 23 मार्च 1931 को देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को अंग्रेजी हुकूमत ने फांसी पर लटका दिया था। इन क्रांतिकारियों के बलिदान को आज भी पूरा देश गर्व से याद करता है। श्रद्धांजलि रैली के दौरान ₹शहीद भगत सिंह अमर रहें₹, ₹इंकलाब जिंदाबाद₹ और ₹वंदे मातरम₹ जैसे गगनभेदी नारे गूंजते रहे। नागरिकों ने हाथों में तिरंगे और भगत सिंह के चित्र लिए हुए पूरे जोश और सम्मान के साथ रैली में भाग लिया। रैली के समापन पर दशमेश दरबार गुरुद्वारे में अमर शहीदों की याद में विशेष प्रार्थना की गई। मंच के पदाधिकारियों और उपस्थित लोगों ने संकल्प लिया कि वे शहीदों की स्मृति को हमेशा जीवंत रखेंगे और युवा पीढ़ी को उनके बलिदान से प्रेरित करते रहेंगे। इस ऐतिहासिक रैली में प्रमुख रूप से शहीद भगत सिंह विचार मंच के चेयरमैन साहब सिंह संधू, हरप्रीत कौर संधू, गुरभेज सिंह संधू, जगत गौतम, पूर्व नगरसेविका संध्या सुनील यादव, वनिता गवांड, अखिलेश वी. सिंह और प्रशांत पुजारी सहित बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए।

बिहार स्थापना दिवस एवं सहस्त्र चंद्र दर्शन समारोह आयोजित

मुंबई। पूर्वांचल परिषद एवं बिहार प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित बिहार स्थापना दिवस एवं सहस्त्र चंद्र दर्शन समारोह, विले पारले मुंबई में 23 मार्च 2025 को शाम 6 बजे आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्थानीय विधायक पराग अलवणी ने किया। सूत्र संचालन उभामो मुंबई के महामंत्री रमाकांत गुप्ता ने किया। कार्यक्रम की प्रास्तावना भाजपा नेता आर यू सिंह ने किया। कार्यक्रम में मनमोहक भजन संध्या का भी आयोजन किया गया। भाजपा के वरिष्ठ कर्मठ नेताओं का सत्कार शाल श्रीफल पुष्प गुच्छ गुढ़ी देकर सम्मानित किया गया। उक्त अवसर पर भाजपा मजदूर नेता हरिनाथ तिवारी का सत्कार करते हुए भाजपा मुंबई के महामंत्री एवं कर्मठ विधायक संजय उपाध्याय, सत्कार मूर्ति में दयानंद बालक विद्यालय ट्रस्ट के अध्यक्ष वरिष्ठ मिठाई लाल सिंह, शारदा प्रसाद सिंह, बिहार के पूर्व विधायक शचीन्द्र सिंह, शिक्षण क्षेत्र से जुड़े यज्ञनारायण दुबे, उत्तर भारतीय संघ के संतोष सिंह, चक्रधर झा, मोहन मिश्रा, विधायक श्रीमती विद्या ठाकुर, श्रीमती स्नेहा दुबे शामिल थी। अन्य उपस्थित गणमान्य नेताओं में कृपाशंकर सिंह, सिद्धी विनायक के कोषाध्यक्ष आचार्य पवन त्रिपाठी, उभामो मुंबई अध्यक्ष आर डी यादव एवम भाजपा तमाम कार्यकर्ता भारी संख्या में उपस्थित थे।

नानावटी मैक्स में जीवित दाता द्वारा दान की गई छोटी आंत का प्रत्यारोपण

मुंबई। चिकित्सा क्षेत्र में एक बड़ी सफलता दर्ज करते हुए में, मुंबई के नानावटी मैक्स सुपर स्पेशलिटी अस्पताल के डॉक्टरों ने एक जीवित दाता से दान की गई छोटी आंत प्रत्यारोपण की एक दुर्लभ और जटिल सर्जरी सफलतापूर्वक की है। सर्जरी से नासिक के रहने वाले, ग्लास फैक्ट्री में काम करने वाले, 49 वर्षीय श्री प्रवीण विस्पुते को नया जीवन मिला है। यह इस वर्ष का पहला जीवित दाता आंत प्रत्यारोपण है। मरीज की पत्नी श्रीमती जयश्री ने यह निःस्वार्थ दान किया है। प्रत्यारोपण 23 फरवरी 2025 को डॉ. गौरव चौबल, एचपीबी सर्जरी, लिवर और मल्टी ऑर्गन ट्रांसप्लांट, नानावटी मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, मुंबई द्वारा किया गया। उनके साथ चार सर्जनों, तीन एनेस्थेटिस्ट, छह वरिष्ठ नर्सों और अन्य प्रशिक्षित पैरामेडिक स्टाफ की एक मल्टी-डिसिप्लिनरी टीम थी। श्रीमती जयश्री की लगभग 150 सेमी स्वस्थ छोटी आंत को विस्पुते के पेट में प्रत्यारोपित किया गया। छोटी आंत का प्रत्यारोपण पेट के सभी अंग प्रत्यारोपणों में सबसे दुर्लभ माना जाता है। दुनिया भर में एक वर्ष में छोटी आंत के लगभग 100 प्रत्यारोपण किए जाते हैं और उनमें से 7 से 8 भारत में किए जाते हैं। इस मामले के बारे में, डॉ. चौबल ने कहा, विस्पुते लगभग एक दशक से लगातार संक्रमण, बुखार और पेट में दर्द से पीड़ित थे।

हृदयांगन द्वारा दूनमीट–2025 होली मिलन समारोह संपन्न

देहरादून (उत्तरशक्ति)। साहित्यिक, सामाजिक, सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक राष्ट्रीय संस्था हृदयांगन एवं डॉ सत्य होप टॉक संस्था बनारस के संयुक्त तत्वावधान में हरिशरणम होमस्टे,कनाल रोड, देहरादून, उत्तराखंड में रविवार 23 मार्च 2025 को बलिदान दिवस पर शहिदों को पुष्पांजलि,होलीकोत्सव पर कवि सम्मेलन तत्पश्चात अतिथियों का सम्मान समारोह देहरादून में रखा गया। संस्था के संस्थापक विधु भूषण विद्या वाचस्पति ने मिडिया सचिव विनय शर्मा दीप को बताया कि उक्त कार्यक्रम देहरादून में अंतरराष्ट्रीय अध्यक्षा विद्युत प्रभा चतुर्वेदी की अध्यक्षता में संपन्न हुआ है। कार्यक्रम की शुरूआत अमर शहीद अमर नाथ चतुर्वेदी की मूर्ति पर दीप प्रज्जवलन, माल्यार्पण एवं देशभक्ति के नारों के साथ हुआ। सर्वप्रथम वीणापाणी की वंदना डॉ. क्षमा कौशिक द्वारा प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम का विधिवत संचालन श्रीमती कविता बिष्ट 'नेह' (प्रभारी,उत्तराखंड हृदयांगन संस्था समूह) द्वारा किया गया। अमर

बलिदान दिवस के ऐतिहासिक दिवस में होलिकोत्सव काव्य समागम देवभूमि उत्तराखंड में आयोजित हुई।अमर नाथ चतुर्वेदी तात श्री स्मृति सम्मान से साहित्यकारों को सम्मानित किया गया।रघुनाथ मिश्र सहज सम्मान 2025 से छंदोबद्ध साहित्यकार श्रीधर प्रसाद द्विवेदी (डॉल्टनगंज), छंदमुक्त साहित्यकार श्रीमती अंजलि डुडेजा (पौड़ी) और समाज के अति विशिष्ट व्यक्तित्व महेन्द्र कुमार त्रिपाठी(गोला गोकर्णनाथ) को तथा महामना मानस संतति सम्मान से सभी कवि गण विभूषित हुए। हृदयांगन संस्था द्वारा युगल सरकार के चित्र पर आधारित प्रतियोगिता में सफल प्रतिभागियों क्रमशः डॉ वर्षा खन्ना, डॉ इंदु अग्रवाल और श्रीमती संतोषी दीक्षित को सम्मानित किया गया। हृदयांगन के संस्थापक डॉ. विधुभूषण एवं डॉ सत्या होप टॉक के संस्थापक ने नारी सम्मान के प्रति विशिष्ट जागरूकता के कारण मंच पर केवल मातृशक्ति को मंचासीन कर समृद्ध मंच को अतिरिक्त गौरव प्रदान किया। डॉ. सत्य प्रकाश पांडेय संस्थापक डॉ सत्या होप टॉक के साथ विशिष्ट अतिथि डॉ. राम विनय सिंह, असीम शुक्ल,भारत भूषण शर्मा एवं नीरज कांत सोती, डॉ. वर्षा खन्ना, श्रीमती यति शर्मा, श्रीमती रूबी कंचन, श्रीमती अनुपम शुक्ल, श्रीमती शुचि शर्मा, श्रीमती कात्यानी ने मंच की शोभा बढ़ाई। खूबसूरत मंच संचालन हेतु श्रीमती कविता बिष्ट नेह को शॉल सम्मान पत्र और मानदेय देकर सम्मानित किया गया।समारोह में डॉ. राकेश बलूनी, श्रीमती कविता बिष्ट नेह,नीरज नैथानी, नंदन राणा नवल, श्रीमती मणि अग्रवाल मणिका, डॉ. क्षमा कौशिक, डॉ.स्वाति मिश्रा,श्रीमती शोभा पराशर, श्रीमती अर्चना झा सरित, श्रीमती उषा झा, शिव चरण शर्मा 'मुंतज़र', दर्द गढ़वाली, राकेश जैन, श्रीधर कृष्णार्थ, श्रीमती रंजना पाण्डेय, श्रीमती सुधा बसोर,अरुण भट्ट, जसवीर हलधर, श्रीमती संगीता बहुगुणा,धर्मेंद्र उनियाल,सत्य प्रकाश सत्य, श्रीमती अंशु जैन, श्रीमती स्वाति,श्रीमती संतोषी, श्रीमती रचना शास्त्री, श्रीमती विनोद शर्मा, श्रीमती ममता स्नेह,सतेंद्र शर्मा तरंग, श्रीमती झरना माथुर, संजय प्रधान, श्रीमती नीमा शर्मा, मयंक चतुर्वेदी, श्रीमती महेश्वरी कनेरी आदि कवि, कवियित्रियों द्वारा काव्य पाठ किया गया जिसकी उपस्थित विद्वतजनों ने मुक्तकंठ प्रशंसा की। हृदयांगन संस्थापक डॉ. विधु भूषण, राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. विद्युत प्रभा,डॉ सत्या होप टॉक के संस्थापक, डॉ. सत्य प्रकाश पांडेय वैज्ञानिक, प्रधान संयोजक नीरज कांत सोती के सौजन्य एवं आशीर्वाद से दून 2025 कार्यक्रम सफल एवं अत्यंत सुखद रहा।राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. विद्युत प्रभा और नीरज कांत सोती ने सभी का अभिनंदन किया एवं हृदयांगन संस्था के कार्यों से अवगत कराया। डा० सत्य प्रकाश पाण्डेय वैज्ञानिक बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय एवं संयोजक डॉ सत्य होप टाक समूह द्वारा हरिशरणम होम स्टे के संचालक मयंक चतुर्वेदी की उत्तम व्यवस्था तथा साहित्यकारों का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की प्रबंधन समिति में शामिल किए गए प्रख्यात आय सर्जन डॉ. निमेष मेहता

मुम्बई। देश के प्रतिष्ठित चिकित्सा संगठन आईएमए (इंडियन मेडिकल एसोसिएशन) - मुंबई शाखा में प्रबंधन समिति के सदस्य के रूप में प्रख्यात नेत्र सर्जन तथा दिव्यदृष्टि आई केयर हॉस्पिटल-बोरीवली के प्रभारी डॉ. निमेश पी. मेहता को शामिल किया गया है। रविवार 23 मार्च को आईएमए हॉल, जुहू में हुए एक भव्य वार्षिक आयोजन में वर्ष 2025-26 के कार्यकाल के लिए डॉ. निमेष मेहता के नाम की अधिकृत रूप से घोषणा की गई। इस आयोजन में आईएमए एचक्यू अध्यक्ष डॉ. दिलीप भानुशाली, डॉ. अनिलकुमार नायक, डॉ. सरबरी दत्ता और अन्य गणमान्य व्यक्तियों जैसे डॉ. जयेश लेले, डॉ. संतोष कदम, डॉ. केतन मेहता, डॉ. अखिल कॉन्ट्रैक्टर, डॉ. संजय दुधात और नव नियुक्त अध्यक्ष डॉ. रश्मि मेहता की गौरवशाली उपस्थिती में यह घोषणा की गई। इस अवसर पर डॉ. निमेष मेहता के साथ उनकी धर्मपत्नी डॉ. अल्पा मेहता तथा डॉ. किंजल मोदी भी विशेष रूप से उपस्थित रहे।